रांची, शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026

संवत 2083, वैशाख कृष्ण प्रतिपदा मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 198 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा अदृश्य स्तंभ है गृहिणी का श्रम

45 की श्वेता का साड़ी लुक वायरल ◂◂ 6

जंगली हाथियों के हमले से तीन लोगों की मौत, एक गंभीर

रामगढ़: जिले के गोला वन क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह जंगली हाथियों के हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक वृद्ध महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, पहली घटना बंदा क्षेत्र स्थित एक ईंट भट्ठे की है। यहां तालाटांड (पतरातू) निवासी धीरज भुइयां (25 वर्ष) और कुजू निवासी युगल भुइयां (25 वर्ष) मजदूरी का काम करते थे। शुक्रवार सुबह अचानक हाथियों के झुंड ने भट्ठे पर हमला बोल दिया। इससे पहले कि दोनों युवकों को संभलने का मौका मिलता, हाथियों ने उन्हें कुचलकर मार डाला।

हाथियों का कहर यहीं नहीं रुका बंदा के पास ही श्याम देव साहू (70 वर्ष) सुबह महुआ चुनने निकले थे, तभी वे हाथियों की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

एक अन्य घटना धोरधोरिया सुतरी गांव की है, जहां अदरी देवी (74 वर्ष) महुआ चुन रही थीं, हाथी ने उन पर हमला कर उन्हें पटक दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गईं।

गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजा पलामू

बदमाशों ने युवक पर की ताबड़तोड़ फायरिंग,मौत

जेएमएम नेता की हत्या का गवाह था मृतक

पलामू : जिले में देर रात हुई गोलीबारी की घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। भीड़भाड़ वाले बाजार में हुई इस वारदात ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। पलामू प्रमंडल मुख्यालय मेदिनीनगर में शनिवार देर रात एक बड़ी आपराधिक घटना सामने आई। बस स्टैंड रोड स्थित शताब्दी मार्केट में अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी, जिसमें कुंड मोहल्ला निवासी मोहम्मद समीर उर्फ गुड्डू खलीफा की मौत हो गई।

घटना के बाद अफरा-तफरीः घटना रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, मुस्लिम नगर का रहने वाला फैज खान अपने कुछ साथियों के साथ बाजार पहुंचा। वहां उसने समीर को देखते ही उस पर कई गोलियां चला दीं। गोली

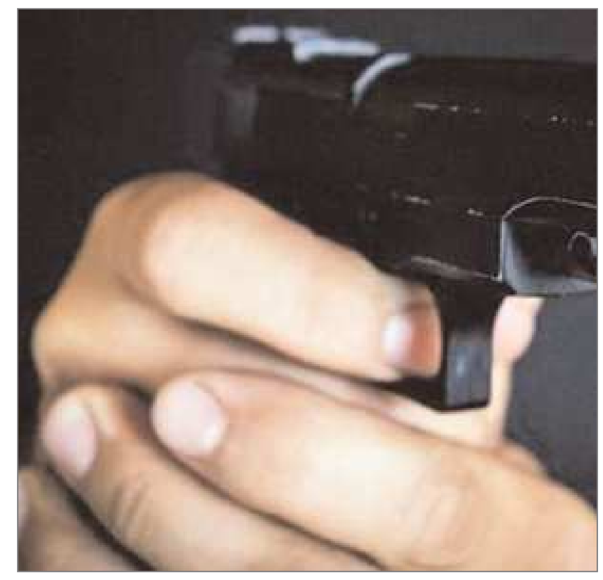

लगते ही समीर वहीं गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने घायल समीर को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोपियों की तलाश के लिए लगातार छापेमारी जारी : पुलिस के मुताबिक, आरोपी फैज खान पहले भी एक हत्या के मामले में जेल जा चुका है। मृतक समीर उसी केस में गवाह था। इसलिए शुरूआती जांच में यह शक जताया जा रहा है कि गवाही रोकने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया गया। इस मामले में पुलिस ने फैज खान और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

इस घटना के बाद इलाके में डर और तनाव का माहौल है। लोगों ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

माओवादियों के बड़े नेता प्रशांत बोस उर्फ किशन दा का निधन

रांची : प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के वरिष्ठ नेता और पोलित ब्यूरो सदस्य प्रशांत बोस उर्फ किशन दा का निधन हो गया है। शुक्रवार की सुबह 6 बजे अचानक प्रशांत बोस की तबीयत बिगड़ी। उन्हें सांस लेने में समस्या आने लगी। आनन फानन में उसे इलाज के लिए रिम्स भेजा गया। डॉक्टरों की टीम प्रशांत बोस का इलाज कर रही थी। जहां सुबह करीब 10 बजे डॉक्टर की टीम ने मौत की पुष्टि कर दी। इधर, घटना के बाद मजिस्ट्रेट की नियुक्ति हुई है।

संगठन में दूसरे नंबर पर थे प्रशांत बोसः प्रशांत बोस नक्सली संगठन के शीर्ष नेताओं में गिने जाते थे। उन्हें संगठन में महासचिव नंबला केशव राव के बाद दूसरा सबसे बड़ा नेता माना जाता था। वे भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो के अहम सदस्य रहे थे।

किशन दा नाम से थे मशहूरः नक्सली संगठन में प्रशांत बोस को किशन दा के नाम से जाना जाता था। वे मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे और लंबे समय तक संगठन की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे।

एमसीसी से माओवादी तक का सफरः किशन दा पहले माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर ऑफ इंडिया (एमसीसी) के प्रमुख रहे थे। साल 2004 में एमसीसीआई और पीपुल्स वार (पीडब्ल्यू) के विलय के बाद जब भाकपा माओवादी का गठन हुआ, तब वे नए संगठन के पोलित ब्यूरो में शामिल किए गए।

1 करोड़ के इनामी नक्सली थेः प्रशांत बोस को 12 नवंबर 2021 को सरायकेला-खरसावां जिले से उनकी पत्नी शीला मरांडी के साथ गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के समय उन पर 1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था, जिससे उनकी अहमियत का अंदाजा लगाया जा सकता है।

उम्र 75 साल से अधिकः प्रशांत बोस की उम्र 75 साल से ज्यादा थी। लंबे समय से वे जेल में बंद थे।उनकी मौत के बाद सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन में हलचल तेज हो गई है, क्योंकि वे संगठन के बेहद महत्वपूर्ण और रणनीतिक नेता माने जाते थे।

ईसीआई का एलान- पांच राज्यों में चुनाव के दिन अवकाश के पैसे नहीं कटेंगे

नई दिल्ली : भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। आयोग ने कहा है कि आगामी आम चुनावों और इस महीने होने वाले उपचुनावों के लिए मतदान के दिनों में सभी कर्मचारियों को सवैतनिक अवकाश (पेड छुट्टी) का अधिकार होगा। इस फैसले का लाभ उन सभी लोगों को मिलेगा जो किसी भी व्यापार, व्यवसाय या औद्योगिक संस्थान में काम करते हैं। इसमें दिहाड़ी और अस्थायी कर्मचारी भी शामिल हैं।

चुनाव आयोग ने अपनी प्रेस नोट में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135बी का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी संस्थान में काम करने वाला

व्यक्ति जो लोकसभा या विधानसभा चुनाव में वोट देने का अधिकार रखता है उसे मतदान के दिन छुट्टी दी जाएगी। इस छुट्टी के बदले कर्मचारी के वेतन में किसी भी तरह की कटौती नहीं की जा सकती।

चुनाव आयोग का यह आदेश असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों पर लागू होगा। इसके अलावा छह राज्यों गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नागालैंड और त्रिपुरा की आठ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों के लिए भी यही नियम रहेगा। आयोग ने साफ किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं पर जुमार्ना लगाया जाएगा।

कहां कब-कब है वोटिंग? : मतदान की तारीखों की बात करें तो असम, केरल, पुडुचेरी, गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र में 23 अप्रैल को मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। इन सभी राज्यों में चुनावों के नतीजे 4 मई 2026 को घोषित किए जाएंगे।

आयोग ने उन कर्मचारियों के लिए भी स्थिति स्पष्ट की है जो अपने चुनाव क्षेत्र से बाहर काम करते हैं। अगर कोई कर्मचारी किसी ऐसे औद्योगिक या व्यावसायिक संस्थान में काम कर रहा है जो उसके निर्वाचन क्षेत्र से बाहर है तो उसे भी वोट डालने के लिए पेड हॉलिडे मिलेगा। शर्त केवल यह है कि वह उस निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत होना चाहिए।

चुनाव आयोग ने सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आदेश दिया है। संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी कर दिए गए हैं ताकि सभी मतदाता बिना किसी असुविधा के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

ईरान जंग में शांतिदूत बनने चले पाक पर भड़का यूएई रातों-रात 2 अरब डॉलर का कर्ज लौटाने का दे डाला अल्टीमेटम

इस्लामाबाद : आर्थिक बदहाली से जूझ रहे और हमेशा कर्ज के सहारे चलने वाले पाकिस्तान को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने एक ऐसा तगड़ा झटका दिया है, जिससे उसकी रातों की नींद उड़ गई है। दुनिया भर में कर्ज का कटोरा लेकर घूमने वाला पाकिस्तान इन दिनों मध्य पूर्व में शांतिदूत बनने की कोशिश कर रहा है और चाहता है कि ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रही जंग जल्द से जल्द रुक जाए। लेकिन पाकिस्तान की यह कूटनीतिक चाल वअए को बिल्कुल रास नहीं आ रही है। ईरान पर ट्रंप प्रशासन के कड़े एक्शन का समर्थन कर रहे वअए ने पाकिस्तान पर दबाव बनाते हुए अपना दो बिलियन डॉलर का पुराना कर्ज तुरंत वापस मांग लिया है। वअए ने पाकिस्तान को सख्त अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि वह 17 अप्रैल तक पूरी रकम हर हाल में चुका दे।

कर्ज पर बढ़ाया ब्याज, अब दी डेडलाइन की चेतावनीः दरअसल, 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद से ही मध्य पूर्व जंग की आग में जल रहा है। हिजबुल्लाह और हूती जैसे गुट भी इस जंग में पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं। एक तरफ जहां पाकिस्तान शांति के लिए मिस्र और तुर्की जैसे देशों के साथ बातचीत की कोशिश कर रहा है, वहीं वअए का साफ मानना है कि ईरान की दादागिरी खत्म करने के लिए ट्रंप प्रशासन के बड़े हमले जारी रहने चाहिए। पाकिस्तान के इस शांति राग से खफा होकर वअए ने अपना पैसा वापस मांगा है। बता दें कि साल 2018 में यूएई ने पाकिस्तान को दो बिलियन डॉलर का लोन दिया था। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के अनुसार, वअए ने इस कर्ज पर ब्याज दर को 3 फीसदी से बढ़ाकर सीधा 6.5 फीसदी कर दिया था और अब ईरान जंग के बीच इसे तुरंत लौटाने का भारी आर्थिक दबाव बना दिया है।

शांति का ठेका लेने में फेल हुआ पाक, पुतिन ने मारी एंट्रीः अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कराने का जो सपना पाकिस्तान देख रहा था, वह अब पूरी तरह से टूटता नजर आ रहा है। सीजफायर कराने की कोशिशों में पाकिस्तान के बुरी तरह फेल होने के बाद अब इस हाई-प्रोफाइल मामले में रूस ने जोरदार एंट्री मार ली है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने खुद इस शांति समझौते की कमान अपने हाथों में ले ली है। पुतिन के प्रेस सचिव दमित्री पेस्कोव ने स्पष्ट कर दिया है कि मध्य पूर्व में शांति स्थापित करने के लिए रूस हर संभव कदम उठाएगा। खुद राष्ट्रपति पुतिन एक्टिव मोड में आ गए हैं और इस सीजफायर प्लान पर तेजी से काम कर रहे हैं।

ट्रंप की शर्तों पर मध्यस्थता की हो रही थी कोशिशः रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान दरअसल अमेरिका के इशारे पर ही शांति समझौते की कोशिशों में लगा हुआ था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस ने हाल ही में पाकिस्तान के मध्यस्थों से ईरान संघर्ष के बारे में खास बातचीत की थी। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त निर्देश पर ही जेडी वेंस ने यह संकेत दिया था कि अमेरिका सीजफायर के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए कुछ बड़ी शर्तें माननी होंगी। इन अहम शर्तों में व्यापार के लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) को फिर से खोलना भी शामिल है। इसी एजेंडे को लेकर पाकिस्तान मध्यस्थता में जुटा था, लेकिन अब पूरी बाजी और पैसा दोनों उसके हाथ से फिसलते दिख रहे हैं।

इजरायल-कुवैत की तेल रिफाइनरी में धमाके के बाद लगी आग

ट्रंप की धमकी के बाद ईरान के हमले तेज

नई दिल्लीः मिडिल ईस्ट में जारी लड़ाई खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। अमेरिका द्वारा ईरान के सबसे ऊंचे ब्रिज पर किए हमले के बाद तेहरान पूरी तरह भड़का हुआ है। उसने खाड़ी देशों के 8 पुलों पर हमले की चेतावनी दी है। वहीं अब ईरान ने कुवैत की मीना अल-अहमदी रिफाइनरी पर ड्रोन से हमला किया है।

ईरान द्वारा किए गए इस हमले के कारण रिफाइनरी की कई यूनिट्स में आग लग गई है, मौके पर इमरजेंसी टीम आग बुझाने में जुटी गुई है। इस हमले में भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

शुक्रवार सुबह ड्रोन से हुआ अटैकः कुवैत की राष्ट्रीय तेल कंपनी कुवैत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (केपीसी) के अनुसार, मीना अल-अहमदी रिफाइनरी पर शुक्रवार सुबह-सुबह ड्रोन से हमला किया गया। हमले के बाद रिफाइनरी की कई ऑपरेशनल यूनिट्स में आग लग गई। सरकारी न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान द्वारा किए इस हमले के बाद फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी रिस्पांस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को कंट्रोल करने के लिए सभी जरूरी सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए गए हैं।

गौरतलब है कि यह रिफाइनरी कुवैत के सबसे बड़े तेल प्रोसेसिंग केंद्रों में से एक मानी जाती है, जहां बड़े पैमाने पर कच्चे तेल को प्रोसेस किया जाता है। ईरान द्वारा किए गए इस हमले ने न सिर्फ स्थानीय उत्पादन बल्कि अंतराष्ट्रीय ऑयल सप्लाई चेन पर भी असर पड़ सकता है। यह हमला ट्रंप की नई धमकियों के बाद की गई है।

सऊदी अरब ने ईरान के 5 ड्रोन गिराएः सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, ईरान के पांच ड्रोन को इंटरसेप्ट कर नष्ट किया गया है। पहले चार ड्रोन को रोकने की पुष्टि की गई थी, इसके बाद रात में एक और ड्रोन को मार गिराया गया था।

तेल अवीव में बज रहे सायरनः इजरायल में तेल अववी के लोगों को हमले के लिए अलर्ट रहने को कहा गया है। तेल अवीव में सायरन बज रहे हैं। शुक्रवार को इजरायल की सेना ने चेतावनी दी कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ईरान से दागी गई मिसाइलों को गिराने के लिए सक्रिय है।

ईरान से डील नहीं हुई तो उपराष्ट्रपति दोषी समझौता हुआ तो क्रेडिट मेराः ट्रंप

अमेरिका ने जंग के बीच 3 आर्मी अफसरों को हटाया

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी : अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जंग के बीच आर्मी चीफ जनरल रैंडी जॉर्ज के अलावा दो और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को भी पद से हटाने का फैसला किया है। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, हटाए गए अफसरों में आर्मी के ट्रांसफॉर्मेशन एंड ट्रेनिंग कमांड के चीफ जनरल डेविड होडने और आर्मी के चैपलिन कॉर्प्स के चीफ जनरल विलियम ग्रीन जूनियर शामिल हैं।

दूसरी ओर राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान से समझौते को लेकर कहा, अगर यह डील नहीं हुई, तो मैं उपराष्ट्रपति जेडी वैंस को दोषी ठहराऊंगा। अगर यह हो जाती है, तो मैं इसका पूरा क्रेडिट लूंगा। ट्रम्प ने यह बात व्हाइट हाउस में आयोजित इस्टर लंच के दौरान मजाक करते हुए कहा।

होर्मुज पर यूएन में वोटिंग टली, अब शनिवार को होगा फैसलाः संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएसई) में बहरीन के प्रस्ताव पर आज होने वाली वोटिंग कल के लिए टाल दी गई है। इस प्रस्ताव में देशों को होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित के जरूरी सभी कदम उठाने की अनुमति देने की बात कही गई है।

बहरीन के विदेश मंत्री ने कहा कि इसका मकसद दुनिया के बाजार को सुरक्षित रखना और सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक में रुकावट को रोकना है।

न्यूज IN ब्रीफ

बिहार भेजी जा रही शराब की बड़ी खेप जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

चतरा : जिले की प्रतापपुर पुलिस ने 'ड्राई स्टेट' बिहार में शराब तस्करी के एक बड़े नेटवर्क को नाकाम कर दिया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए लाखों की अवैध अंग्रेजी शराब के साथ पलामू के दो तस्करों को दबोचा है। प्रतापपुर थाना प्रभारी आलोक कुमार रंजन के नेतृत्व में पुलिस ने कौरा मोड़ के पास घेराबंदी कर एक सवारी गाड़ी को रोका। तलाशी के दौरान वाहन से आइकॉनिक व्हाइट, रॉयल स्टैग, स्टर्लिंग रिजर्व और किंगफिशर बीयर की कुल 10 पेटियां बरामद की गईं। गिरफ्तार तस्करों की पहचान पलामू निवासी सोनू कुमार और प्रिंस कुमार के रूप में हुई है। ये माफिया झारखंड-बिहार बॉर्डर का फायदा उठाकर शराब इमामगंज पहुंचाने की फिराक में थे। पुलिस ने कांड संख्या 32/2026 दर्ज कर तस्करों को जेल भेज दिया है।

रोजगार के लिए चेन्नई जा रहे चतरा के रौशन की ट्रेन से गिरकर मौत

चतरा : झारखंड में पलायन का दंश एक बार फिर एक परिवार पर भारी पड़ा है। चतरा के प्रतापपुर निवासी रौशन कुमार, जो घर की गरीबी दूर करने के सपने लेकर चेन्नई जा रहे थे, उनकी ट्रेन से गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे ने न केवल एक चिराग बुझा दिया, बल्कि राज्य में रोजगार की कमी पर भी तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं।प्रतापपुर के देवी मंडप रोड निवासी रौशन कुमार (पिता- समोच प्रसाद) कल शाम करीब तीन बजे ट्रेन हादसे का शिकार हो गए। संतुलन बिगड़ने से वे चलती ट्रेन से नीचे जा गिरे और मौके पर ही उनकी सांसे थम गईं। घर की माली हालत सुधारने निकला जवान बेटा अब कभी लौटकर नहीं आएगा। इस घटना से पूरे गांव में मातम और आक्रोश है। बिलखते परिजनों ने जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से रौशन का पार्थिव शरीर घर मंगवाने और उचित मुआवजे की गुहार लगाई है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर स्थानीय स्तर पर रोजगार होता, तो आज रौशन जिंदा होता।

महिला से 5 लाख रंगदारी मांगना युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

चतरा : जिले के वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र के एक महिला से एक युवक को 5 लाख रुपए रंगदारी मांगना महंगा पड़ गया। वशिष्ठ नगर थाना की पुलिस ने 5 लाख रंगदारी मांगने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पुलिस ने आरोपी को दबोचा है। इस मामले में वशिष्ठ नगर जोरी थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि 13 फरवरी को वादी के द्वारा एक लिखित आवेदन दिया गया था। जिसमें 5 लाख रुपए फिरौती मांगने की जिक्र की गई थी।जिसकी थाना में कांड संख्या 17/26 धारा 329(4)/308(5)/351(2)/351(3)/352 बीएनएस के तहत मामला दर्ज है। आरोपी 1 महीना से फरार चल रहा था। हालांकि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्त नावाडीह दंतार निवासी 28 वर्षीय इरफान अंसारी है।बताया जाता है कि वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र के एक महिला के द्वारा लिखित आवेदन जमीन विवाद में चहारदिवारी निर्माण के दौरान मारपीट करने व रंगदारी के रुप में पांच लाख रुपए मांगने का आरोप लगाते हुए एफआईआर कराई गई थी।पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी हरियाणा में दर्ज एनडीपीएस मामले में भी फरार घोषित है।

भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाने का निर्णय

खलारी : एससी एसटी ओबीसी एकता मंच डकरा की बैठक गुरुवार को अंबेडकर पार्क डकरा में कार्यकारी अध्यक्ष देवपाल मुंडा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें आगामी 14 अप्रैल 2026 को भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती धूमधाम से मनाने और खिचड़ी महा प्रसाद का भी वितरण करने का निर्णय लिया गया।इस अवसर पर देवपाल मुंडा, कन्हाई पासी, जगदीश गंझू, नारद राम, रामदेव राम, राम परीखा राम, परमेश्वर गंझू उर्फ प्रवीण, नसीब चौहान, अमर लाल सतनामी सुभाष प्रजापति नागेश्वर गंजू अजय परमेश्वर राम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

खूंटी में रसोई गैस संकट गहराया, लंबी कतारों में रातभर खड़े रहने को मजबूर लोग

खूंटी : शहर में लगातार हो रही रसोई गैस की कमी अब आम लोगों के लिए बड़ी परेशानी बनती जा रही है। हालात ऐसे हो चुके हैं कि गैस लेने के लिए लोगों को रात-रात भर लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ रहा है, इसके बावजूद भी कई उपभोक्ताओं को खाली हाथ वापस लौटना पड़ रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को खूंटी के अनिगरा स्थित बिरसा इंडियन गैस एजेंसी में भारी भीड़ और लंबी लाइन देखने को मिली। गैस लेने पहुंचे लोगों ने बताया कि वे रात से ही लाइन में खड़े हैं, लेकिन फिर भी गैस मिलने की कोई गारंटी नहीं है। इसी दौरान मुरहू से खूंटी लौट रही खूंटी अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी को कुछ स्थानीय लोगों ने एजेंसी के पास रोककर गैस आपूर्ति की गंभीर समस्या से अवगत कराया। लोगों ने एसडीओ से शिकायत करते हुए बताया कि शहर में गैस की भारी किल्लत है और आम उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। शिकायत मिलने के बाद अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी स्वयं अनिगरा बिरसा इंडियन गैस एजेंसी पहुंचीं और वहां मौजूद उपभोक्ताओं तथा एजेंसी संचालक से पूरे मामले की जानकारी ली। इस दौरान एजेंसी में मौजूद लोगों ने नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया कि गैस की कमी के बावजूद बड़ी मात्रा में सिलेंडर सीआरपीएफ, पुलिस और कोबरा बटालियन को दिया जा रहा है, जबकि आम उपभोक्ता कई दिनों से गैस के लिए भटक रहे हैं। लोगों ने कहा कि उन्हें लगातार गैस नहीं मिलने से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जांच के दौरान यह बात भी सामने आई कि एजेंसी द्वारा पिछले कई दिनों से गैस की मांग नहीं की गई थी, जिसके कारण उनका गैस उठाव लंबित (पेंडिंग) दिख रहा है। इस पर अनुमंडल पदाधिकारी ने एजेंसी मालिक और कर्मचारियों से जवाब-तलब किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीओ दीपेश कुमारी ने गैस एजेंसी संचालक को निर्देश दिया कि वे कल ही ड्राफ्ट जमा करें और एक-दो दिनों के भीतर लंबित गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करें, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके।
खूंटी शहर में रसोई गैस की कमी, लंबी कतारों और सरकारी संस्थानों द्वारा गैस उठाव को लेकर लोगों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। अब देखने वाली बात होगी कि प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद आम उपभोक्ताओं को कब तक राहत मिल पाती है।

असम के चाय बागानों में रह रहे आदिवासियों की स्थिति बहुत खराब : मुख्यमंत्री

असम विधानसभा चुनाव

संवाददाता

रांची : असम विधानसभा चुनाव के दौरान सियासी माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। इसी बीच झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खुमताई में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदिवासी मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया और केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

देश में गरीब और वंचित लोगों की आवाज को दबाया जा रहाः
असम के खुमताई विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक बड़ी जनसभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के उम्मीदवार अमित नाग के समर्थन में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण में आदिवासी समाज की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। सोरेन ने कहा कि पहले उन्हें लगता था कि झारखंड सबसे पिछड़ा राज्य है, लेकिन असम के चाय बागान इलाकों को देखने के बाद उनकी राय बदल गई। उन्होंने कहा कि यहां रहने वाले आदिवासियों की स्थिति बहुत खराब है और आज भी उन्हें सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में गरीब और वंचित लोगों की आवाज को दबाया जा रहा है और आदिवासियों के अधिकार छीने जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने हक के लिए एकजुट होकर संघर्ष करें।

केंद्र सरकार का वादा जमीन पर पूरा होता नहीं दिख रहाः
मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की डबल इंजन नीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 2023 तक हर गरीब को पक्का मकान देने का वादा किया गया था, लेकिन यह वादा जमीन पर पूरा होता नहीं दिख रहा है। साथ ही उन्होंने महंगाई और गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों को लेकर भी सरकार को घेरा। अंत में उन्होंने आदिवासी समाज से एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि अगर वे अपनी ताकत पहचान लें और मिलकर काम करें, तो वे अपनी किस्मत खुद बदल सकते हैं। इस कार्यक्रम में खटट उम्मीदवार अमित नाग और पार्टी के कई नेता व बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

इद्रिसिया तंजीम स्कूल को आधुनिक अंग्रेजी माध्यम संस्थान में किया जाएगा परिवर्तित

संवाददाता

रांची : इद्रिसिया तंजीम स्कूल ने एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है, जिसके तहत इसे आधुनिक अंग्रेजी माध्यम संस्थान में परिवर्तित किया जा रहा है, जहां अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक पद्धतियों को अपनाया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को नई दिशा देना और विद्यार्थियों के लिए एक प्रगतिशील एवं छात्र-केंद्रित वातावरण तैयार करना है। इस शैक्षणिक परिवर्तन का नेतृत्व श्री मुहम्मद तलकीन दानिश कर रहे हैं, जो जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली के पूर्व छात्र हैं और अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम में 14 वर्षों का अनुभव रखते हैं। उनके मार्गदर्शन में स्कूल लर्निंग बाय डूइंग की अवधारणा पर कार्य करेगा, जो कैम्ब्रिज पाठ्यक्रम का प्रमुख सिद्धांत है। इस पद्धति का उद्देश्य रटने की प्रवृत्ति से आगे बढ़कर विद्यार्थियों में चिंतनशील क्षमता और नई परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की योग्यता विकसित करना है। श्री आसिफ

जमान और श्री शाहीन जमान, दोनों ही आईआईटी खड़गपुर के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र हैं, जो अपने समृद्ध शैक्षणिक और पेशेवर अनुभव के साथ संस्थान को सशक्त बनाएंगे। वहीं, श्री जेया अफरीदी विद्यालय के तकनीकी एवं डिजिटल क्षेत्र का नेतृत्व करते हुए नवाचार और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के समावेशन को आगे बढ़ाएंगे। स्कूल में गतिविधि-आधारित शिक्षण, शोध-उन्मुख अध्ययन और प्रोजेक्ट कार्य पर विशेष जोर दिया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों की विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित हो सके। इसके साथ ही गणितीय दक्षता बढ़ाने के लिए अबेकस शिक्षण को शामिल किया जाएगा तथा अंग्रेजी भाषा शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रेस को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता मनव्वर भुट्टो और रांची के 23वें वार्ड के पार्षद खालिद उमर ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयास विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की शिक्षा और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह परिवर्तन समग्र और भविष्य उन्मुख शिक्षा की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

खूंटी में सरहुल मिलन समारोह की धूम

पारंपरिक संस्कृति और उत्साह का अद्भुत संगम

संवाददाता

खूंटी : जिला अखिल भारतीय सरना समाज, खूंटी के तत्वावधान में सदर अस्पताल के समीप स्थित जादू अखाड़ा में भव्य सरहुल मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा आयोजन सरना संस्कृति, परंपरा, आस्था और सामुदायिक एकता का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया। समारोह में शामिल युवक-युवतियों, महिलाओं और बुजुर्गों ने पारंपरिक सरना परिधान धारण कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। रंग-बिरंगे वेशभूषा में सजे प्रतिभागी बेहद आकर्षक और मनमोहक दिखे। कार्यक्रम के दौरान ढोल-नगाड़ों, मांदर, नगाड़ा और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मधुर धुन पर लोगों ने जमकर नृत्य किया, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय और उल्लासपूर्ण हो उठा। इस सांस्कृतिक आयोजन में कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य रूप से भारत के पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं खूंटी के पूर्व सांसद अर्जुन मुंडा, पूर्व विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, पूर्व तोरपा विधायक कोचे मुंडा, नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी, भाजपा नगर अध्यक्ष आनंद राम, पूर्व नगर अध्यक्ष काशी नाथ महतो, रामनवमी महासमिति के महामंत्री जितेंद्र कश्यप, बीडीओ ज्योति कुमारी, बीएसओ खुशबू तिर्की, अनूप साहू, दिनेश महतो, कविता वर्मा, मदन मोहन मिश्रा, सुदर्शन भोकता सहित कई अन्य प्रमुख लोग मंचासीन रहे। सभी अतिथियों का पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार अंगवस्त्र और सखुआ फूल भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। इसके बाद अतिथियों ने भी मंच से उतरकर अखाड़ा में सामूहिक नृत्य में भाग लिया, जिससे कार्यक्रम में और अधिक उत्साह और अपनापन देखने को मिला। इस दौरान पूर्व विधायक कोचे मुंडा ने अपने विशेष अंदाज में पारंपरिक सरहुल गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह के पश्चात एक भव्य सरहुल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में सैकड़ों की संख्या में पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालु शामिल हुए। यह यात्रा जादू अखाड़ा से प्रारंभ होकर खूंटी के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए नेताजी चौक तक पहुंची और पुनः सरना स्थल पर आकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान डीजे और पारंपरिक संगीत की धुन पर लोग नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे, जिससे पूरे शहर में उत्सव और उल्लास का माहौल बना रहा। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आए। आयोजन को सफल बनाने में ब्रह्मदेव मुंडा, सुरजू संवासी, जोहन मुंडा, मागो मुंडा, मीरा हस्सा, बासमती मुंडा सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। यह सरहुल मिलन समारोह न केवल आदिवासी-सर्ना सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और आगे बढ़ाने का माध्यम बना, बल्कि समाज में एकता, भाईचारे, पारंपरिक मूल्यों और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का भी संदेश दे गया।

चावल लदे ट्रक की चपेट में आने से दो सगे भाइयों की मौत

खूंटीः जिले के रनिया थाना क्षेत्र के सरबो गांव के नजदीक गुरुवार की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बाइक पर सवार दो सगे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा रनिया-सोदे मुख्य पथ पर एक घुमावदार और ढलान वाले रास्ते पर हुआ, जहां तेज रफ्तार चावल लदे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। मिली जानकारी के अनुसार, सोदे गांव निवासी 30 वर्षीय बाबर खान और 26 वर्षीय शाहनवाज खान बाइक से रनिया से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सोदे की ओर जा रहे चावल लदे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक अनियंत्रित होकर दोनों भाइयों के ऊपर पलट गया, जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही दबकर मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर स्थानीय ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई।

तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत

संवाददाता

खूंटी : जिला के तोरपा थाना क्षेत्र के गुफु बड़का टोली में एक बेहद दर्दनाक हादसे में तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतक बच्चे की पहचान निमिसन गुड़िया (8 वर्ष), जइसन गुड़िया (10 वर्ष) और डेविड गुड़िया (6 वर्ष) बताए गए हैं। तीनों बच्चे राजकीय प्राथमिक विद्यालय, गुफु के छात्र थे। मिली जानकारी के अनुसार, स्कूल की छुट्टी के बाद तीनों बच्चे खेलते-खेलते गांव के तालाब की ओर चले गए थे। आशंका जताई जा रही है कि इसी दौरान बच्चे नहाने के लिए तालाब में उतरे और गहरे पानी में चले जाने से डूब गए।
बताया जाता है कि जब काफी देर तक बच्चे घर नहीं लौटे, तो निमिसन और जइसन की मां मेलानी गुड़िया उन्हें खोजते हुए तालाब के पास पहुंचीं। वहां उन्होंने बच्चों के कपड़े तालाब किनारे रखे हुए देखे। यह दृश्य देखते ही उनके होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल गांव वालों को इसकी सूचना दी।
सूचना मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में तालाब के पास पहुंचे। गांव के ही प्रवीण गुड़िया और लुकस गुड़िया नामक दो युवकों ने बिना देर किए तालाब में उतरकर बच्चों की तलाश शुरू की और काफी प्रयास के बाद तीनों बच्चों को बाहर निकाला। हालांकि तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर गांव की मुखिया शिशिर तोपनो मौके पर पहुंचीं। वहीं सूचना पाकर तोरपा थाना प्रभारी मुकेश कुमार यादव, सब इंस्पेक्टर संजीव करण देव सहित पुलिस बल भी घटनास्थल पर पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल और तालाब का निरीक्षण किया तथा शवों को अपने कब्जे में लेकर थाना ले गई। इस दर्दनाक हादसे ने गुफु बड़का टोली गांव को गहरे शोक में डुबो दिया है। एक साथ तीन मासूम बच्चों की मौत से पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। मृत बच्चों की मां और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव का माहौल इतना गमगीन था कि वहां मौजूद हर आंख नम दिखी। सबसे अधिक मार्मिक दृश्य उस समय देखने को मिला, जब मां अपने बच्चों को गोद में लेकर फफक-फफक कर रो रही थीं। इस दृश्य ने वहां मौजूद हर व्यक्ति को झकझोर कर रख दिया। मृतक निमिसन गुड़िया और जइसन गुड़िया सगे भाई थे। दोनों की एक साथ मौत ने उनके माता-पिता मेलानी गुड़िया और सुमन गुड़िया की दुनिया उजाड़ दी है। बताया गया कि इनके यही दो बेटे थे, और अब दोनों के चले जाने से परिवार पूरी तरह टूट गया है। वहीं तीसरे मृतक डेविड गुड़िया का पिता रोजी-रोटी के सिलसिले में बाहर गया हुआ है। डेविड अपनी मां सरिता गुड़िया के साथ गांव में रहता था। इस घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

खूंटी क्लब में रामनवमी महासमिति से मिले अर्जुन मुंडा

संवाददाता

खूंटी : पूर्व केंद्रीय मंत्री सह पूर्व खूंटी सांसद अर्जुन मुंडा ने अपने खूंटी दौरे के दौरान गुरुवार को खूंटी क्लब में केंद्रीय रामनवमी महासमिति के पदाधिकारियों और कार्यकताओं से औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान मुरहू में रामनवमी शोभायात्रा के दौरान हुई पत्थरबाजी, उसके बाद उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति तथा पुलिस की कथित एकतरफा कार्रवाई को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में रामनवमी महासमिति के प्रतिनिधियों ने अर्जुन मुंडा को पूरे घटनाक्रम की जानकारी विस्तार से दी। महासमिति की ओर से बताया गया कि शोभायात्रा पर एक समुदाय के लोगों द्वारा पथराव किया गया, जिसके बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी। साथ ही, महासमिति ने आरोप लगाया कि घटना के बाद पुलिस प्रशासन की ओर से हिंदू पक्ष के लोगों को लगातार परेशान किया जा रहा है और कार्रवाई भी एकतरफा ढंग से की जा रही है। महासमिति के पदाधिकारियों ने अर्जुन मुंडा के समक्ष मांग रखी कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और निर्दोष लोगों को बेवजह परेशान न किया जाए। उन्होंने प्रशासनिक कार्रवाई में संतुलन और पारदर्शिता बनाए रखने की भी मांग की। बैठक के बाद अर्जुन मुंडा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुरहू में रामनवमी शोभायात्रा पर हुए पथराव की घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं सामाजिक सौहार्द और शांति व्यवस्था के लिए बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पूरे मामले को गंभीरता से लिया जाएगा और इसकी निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कराने का प्रयास किया जाएगा। अर्जुन मुंडा ने कहा कि किसी भी पक्ष के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए और प्रशासन को पूरी निष्पक्षता के साथ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

शिक्षा विभाग में पोशाक वितरण में बड़ा घोटाला

बिना पोशाक वितरण चिन्हित वेंडरों के खातों में कर दिया गया भुगतान

संवाददाता

चतरा : जिले में आए दिन भ्रष्टाचार के मामले उजागर हो रहे है। सरकार के लगभग सभी विभागों में भ्रष्टाचार व्याप्त है।ताजा मामला शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा अभियान से आया है, जहां बच्चों की स्कूल पोशाक में भी घोटाला कर दिया गया है। 22 हजार बच्चे पोशाक से वंचितः
बताते चलें कि सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत पहली और दूसरी कक्षा के बच्चों को पोशाक मिली ही नहीं और उन पोशाक के पैसे विभिन्न वेंडरों के खातों में भुगतान तक कर दिया गया। प्राथमिक विद्यालयों में पहली और दूसरी के बच्चों की संख्या 32,427 है। इनमें से पिछले आठ-दस दिनों में वेंडरों ने करीब दस हजार बच्चों को पोशाक उपलब्ध कराया। शेष करीब 22 हजार बच्चे पोशाक से वंचित रह गए।
पोशाक मद में 1 करोड़ 94 लाख 56 हजार 200 रुपये का बजट था
समग्र शिक्षा अभियान के तहत प्रत्येक छात्र के लिए 600 रुपये निर्धारित हैं। इस आधार पर पोशाक मद में 1,94,56,200 रुपये का बजट था। 31 मार्च से पहले राशि खर्च दिखाने के दबाव में प्रखंड संसाधन केंद्रों द्वारा चिन्हित वेंडरों के खाते में 30 मार्च की रात ही जल्दबाजी में पूरी योजना को अमलीजामा पहना दिया गया। अब सवाल यह उठ रहा है कि जब सभी बच्चों को पोशाक उपलब्ध कराना संभव नहीं था, तो फिर बिना वितरण के भुगतान कैसे कर दिया गया। यह पूरे मामले को संदेहास्पद बनाता है और संभावित घोटाले की ओर संकेत करता है।

गैस सिलेंडर की किल्लत पर फूटा गुस्सा, सड़क जाम

मेट्रो रेज

रांची: पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध का असर अब भारत के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ झारखंड में भी देखने को मिल रहा है। राज्य में घरेलू गैस सिलेंडरों की किल्लत बढ़ गई है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रसोई गैस की अनियमित आपूर्ति के कारण कई घरों में दैनिक जीवन प्रभावित हो गया है।

इसी समस्या को लेकर राजधानी रांची के चुटिया इलाके में उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। गैस सिलेंडर नहीं मिलने से नाराज लोगों ने बांस-बल्ली लगाकर सड़क जाम कर दी। देखते ही देखते इलाके में यातायात पूरी तरह बाधित हो गया, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई दिनों से गैस की आपूर्ति बाधित है। बुकिंग के बावजूद समय पर सिलेंडर नहीं मिल रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। खासकर मध्यमवर्गीय और दैनिक उपयोग पर निर्भर परिवारों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। प्रशासन द्वारा स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है, ताकि यातायात सामान्य हो सके और लोगों को राहत मिल सके।

प्रशासन की अपील: प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और भरोसा दिलाया है कि गैस आपूर्ति को जल्द सामान्य करने के लिए संबंधित विभागों से समन्वय किया जा रहा है।

स्थिति पर नजर: फिलहाल इलाके में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बताई जा रही है। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और जल्द समाधान का आश्वासन दिया जा रहा है।

श्री श्याम मंदिर में धूमधाम से मनी हनुमान जयंती

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में गुरुवार को हनुमान जयंती का पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और सभी ने वीर हनुमान के दर्शन कर मंगलमय जीवन की कामना की।

प्रातःकाल में हनुमान जी को नवीन वस्त्र पहनाकर आकर्षक आभूषणों से सजाया गया। मंदिर को गुलाब, जूही, बेला, मोगरा और गेंदे के फूलों से भव्य रूप से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। साथ ही मंदिर में विराजमान शिव परिवार एवं श्री श्याम प्रभु का भी विशेष श्रृंगार किया गया।

शाम होते-होते मंदिर परिसर में भक्ति का माहौल और गहरा हो गया। रात्रि 8:30 बजे से भक्तगण कतारबद्ध होकर जय श्री राम और वीर बजरंगबली की जय के जयकारों के बीच दर्शन करते नजर आए। इसके बाद श्री श्याम मंडल के सदस्यों द्वारा संगीतमय संकीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें छम-छम नाचे देखो वीर हनुमान जैसे भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कार्यक्रम के दौरान बजरंगबली को मिष्ठान, फल और मेवा का भोग अर्पित किया गया। रात्रि 11:30 बजे महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस आयोजन को सफल बनाने में रमेश सारस्वत, ओम जोशी, चंद्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, विवेक ढांढनिया, विकास पाडिया, ज्ञानप्रकाश बगला, नितेश लखोटिया, अजय साबू, अरुण धानुका, प्रियांश पोद्दार एवं राजेश सारस्वत का विशेष योगदान रहा।

विश्व ऑटिज्म दिवस पर जागरूकता रैली

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: कार्प वेलफेयर ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित एससीएसएन विद्यालय द्वारा विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

रैली प्रातः 9:30 बजे से 11:30 बजे के बीच एससीएसएन विद्यालय, विकास नगर रोड नंबर 2 से बिरसा चौक तक आयोजित की गई। रैली में लगभग एक सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राएं, शिक्षक एवं स्टाफ सदस्य शामिल थे।

यह कार्यक्रम संस्था की संस्थापक रश्मि नायर के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

रैली के दौरान प्रतिभागियों ने बैनर एवं तख्तियों के माध्यम से समाज को ऑटिज्म के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। इस दौरान मुख्य नारा हम सब एक हैं दिया गया, जो समाज में समानता और स्वीकार्यता का संदेश है।

विदित हो कि एससीएसएन विशेष विद्यालय, कार्प वेलफेयर ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित है, जहां ऑटिज्म, डाउन सिंड्रोम, मानसिक मंदता एवं सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों को शैक्षणिक शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की थेरेपी प्रदान की जाती है।

राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था, खनन माफियाओं की बढ़ती गतिविधियों और प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ आज चुटिया प्रखंड कांग्रेस समिति ने जोरदार विरोध दर्ज कराया। स्थानीय इंदिरा गांधी चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने झारखंड सरकार के खिलाफ मौन विरोध प्रदर्शन किया।

कार्यकर्ताओं ने हाथों में काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण जुलूस निकाला, जो मोहल्लों से गुजरते हुए चुटिया थाना के पास जाकर समाप्त हुआ। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने राज्य में कानून-व्यवस्था में अविलंब आमूलचूल सुधार लाने, खनन माफियाओं पर सख्त रोक लगाने और प्रशासन को जन-आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करने की मांग उठाई।

बताया गया कि यह कार्यक्रम कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के. राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के आह्वान पर आयोजित किया गया था। चुटिया प्रखंड कांग्रेस द्वारा आयोजित यह विरोध प्रदर्शन राज्य में इस प्रकार का पहला कार्यक्रम माना जा रहा है।

कार्यक्रम में रांची महानगर उपाध्यक्ष सह चुटिया प्रखंड प्रभारी अरुण चावला, प्रखंड अध्यक्ष प्रशांत गौरव, दीपेश पाठक, उर्मिला, राखी कौर, अंतरा कच्छप, गोपीचंद अग्रवाल, कृष्णा सहाय, संजीव महतो, प्रदीप, अजीत सिंह, महेश राय, बिरसा तिर्की, अजय महली, विवेक सिंह, सावन, अनुराग, शुभम, ऋषभ सिन्हा, भोला, पवन, नीतीश तिर्की सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शॉर्ट सर्किट से बॉक्साइड लदे ट्रक में लगी आग, चालक व उपचालक बाल- बाल बचे

रांची: जिले के सिल्ली थाना क्षेत्र के कुलसूद नावाडीह के सामने एक बॉक्साइट लदा ट्रक अचानक आग की चपेट में आ गया।

चालक और खलासी ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते ट्रक से कूदकर अपनी जान बचा ली। देखते ही देखते ट्रक धू-धू कर जलने लगा और कुछ ही पलों में आग का गोला बन गया।

मिली जानकारी के अनुसार, बॉक्साइट से लदा ट्रक लोहरदगा से हिंडालको की ओर जा रहा था। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया। आसमान तक उठती लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हालात की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग को तुरंत बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ट्रक का बड़ा हिस्सा जलकर क्षतिग्रस्त हो चुका था।

प्राथमिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है।

हनुमान जयंती पर भजन संध्या कार्यक्रम

रांची: श्री बालाजी बाबोसा मंदिर गेमोन इंडिया रोड बिरसा चौक में हनुमान जयंती की अवसर पर संध्या 5:00 बजे से भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया जो की रात्रि 10:00 बजे तक निरंतर चलता रहा। इसी बीच रात्रि 8:00 बजे से बालाजी, बाबोसा भगवान को भोग लगाकर भक्तों के बीच भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें पूरी ,सब्जी, बुंदिया,खीर इत्यादि का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष - बलवीर जैन, नैना देवी,प्रतिमा सिन्हा, भजन गायक - संजय कोठारी, राकेश कोठारी, हरीश गोलछा, अक्षय जैन , अतिथि स्वरूप कार्यक्रम में रोहित शारदा, सुभाष चंद जैन, सुरेश जैन, विनय नाहटा, घेवर चंद नाहटा, प्रकाश नाहटा,भोला केवट ,राजकुमार,हरख चंद पारख,दिलीप सोनी, बादल सिंह, महाराणा प्रताप सिंह अमन सिंह सहित महिला मंडल ,अन्य लोगो ने अपना योगदान दिया।

हजारीबाग हत्याकांड: खुलासे के बाद सियासत तेज, जांच पर उठे सवाल

पूरे सिस्टम ने मिलकर बच्ची के साथ अन्याय किया: अंबा प्रसाद

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: हजारीबाग के विष्णुगढ़ हत्याकांड के खुलासे के बाद राज्य की सियासत गरमा गई है। कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर झारखंड पुलिस की जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर हंसी आती है और जांच के दौरान कई अहम बिंदुओं को नजरअंदाज किया गया है।

अंबा प्रसाद ने आरोप लगाया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति में मनगढ़ंत कहानी प्रस्तुत की गई है। उन्होंने कहा कि इससे मामले की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। साथ ही उन्होंने डीजीपी पर भी निशाना साधते हुए पूछा कि केस से जुड़े बयानों में बदलाव क्यों किया गया।

विधायक ने आगे कहा कि मामले में कुछ अहम नामों की भूमिका अब तक स्पष्ट नहीं की गई है। उन्होंने धनक्षर पासवान और भीमाराम जैसे नामों का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि उनकी भूमिका की जांच क्यों नहीं की गई। अंबा प्रसाद ने दावा किया कि भीमाराम, जिसे कथित तौर पर भाजपा से जुड़ा बताया जा रहा है, उसके संबंध में भी स्थिति साफ नहीं की गई है।उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि सच्चाई सामने लाने के लिए जरूरी है कि सभी पहलुओं की गहन जांच हो। वहीं, इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है और विपक्ष लगातार सरकार व पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा रहा है।

उम्र सीमा का कट ऑफ डेट निर्धारित किए जाने के विरुद्ध हाईकोर्ट में याचिका दायर

रांची: जेपीएससी विज्ञापन बैकलॉग नियुक्ति 5/2026 के लिए उम्र सीमा का कट ऑफ डेट 1/8/2022 निर्धारित किए जाने और विज्ञापन संख्या 6/2026 के लिए उम्र सीमा का कट ऑफ डेट 1/08/2017 निर्धारित किए जाने के विरुद्ध हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है.

अभ्यर्थियों ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा : इस परीक्षा में शामिल होने से वंचित होने वाले अभ्यर्थियों नीरज भगत और श्वेता कुमारी एवं अन्य कई अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता कुमार हर्ष ने याचिका दायर की है. कट ऑफ डेट में बदलाव की मांग: याचिका में कहा गया है कि जेपीएससी ने बैकलॉग नियुक्ति के लिए आवेदन में जो उम्र सीमा का कट ऑफ डेट निर्धारित किया है उससे कई अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होने से वंचित रह जाएंगे इसलिए उम्र सीमा के कट ऑफ डेट में बदलाव किया जाना चाहिए.

सुनवाई का इंतजार: हालांकि अभी तक इस याचिका पर सुनवाई नहीं हुई है लेकिन इस मामले में सुनवाई के दौरान अदालत का क्या रूख होगा यह देखना काफी महत्वपूर्ण होगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला

आम सूचना

राष्ट्रीय लोक अदालत

दिनांक 09.05.2026, शनिवार

स्थान –व्यवहार न्यायालय परिसर, गुमला

निःशुल्क, सुलभ एवं शीघ्र न्याय हेतु

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार व्यवहार न्यायालय (कचहरी), गुमला के प्रांगण में दिनांक 09.05..2026 को पूर्वाह्न 07:30 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा।

उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में निम्नलिखित प्रकार के मामले का निष्पादन किया जायेगा :–

(1) सुलह योग्य आपराधिक वाद, N.I.Act. U/s 138 से संबंधित वाद (चेक अनादर के केस), (2) मोटर –दुर्घटना क्षतिपूर्ति वाद ,(3) पारिवारिक/वैवाहिक वाद, (4) श्रम विवाद, (5) भूमि अधिग्रहण संबंधित विवाद (भू अर्जन मुआवजा), (6) सिविल वाद, किराया आदि से संबंधित वाद, (7) बैंक रिकवरी से संबंधित वाद, राजस्व वाद, मनरेगा, बिजली बिल, मामले और पानी बिल से संबंधित वाद, बिक्री कर, वाणिज्य कर एवं आयकर से संबंधित वाद, सेवा से संबंधित वाद, वन विभाग से संबंधित वाद, उत्पाद से संबंधित वाद, सिविल अपील, क्रिमिनल अपील, विविध अपील आदि से संबंधित वाद, नीलाम वाद, दाखिल खारिज मामले, अन्य मामले जिन्हें लोक अदालत के माध्यम से सुलझाया जा सकता है।

इस संबंध में किसी भी प्रकार की विस्तृत जानकारी के लिए आप किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 07:30 बजे से दिन के 12:30 बजे तक जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला के कार्यालय में आकर संपर्क कर सकते हैं।

राम कुमार लाल गुप्ता, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला।

हरिस बिन जमां, पुलिस अधीक्षक–सह–सदस्य जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला।

प्रेरणा दीक्षित, उपायुक्त–सह–उपाध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला।

ध्रुव चंद्र मिश्र, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश–सह–अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला।

PR 376548 (Law) 26-27 (D)

वंदे भारत के खाने से महिला के सूज गए होंठ, बच्चे को हुआ डायरिया,जांच के घेरे में आईआरसीटीसी

रांची: प्रीमियम ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस में बेहतर सुविधाओं के दावों के बीच खाने की गुणवत्ता को लेकर एक गंभीर शिकायत सामने आई है। रांची की एक महिला यात्री ने आरोप लगाया है कि ट्रेन का खाना खाने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और उनके छोटे बच्चे की भी हालत खराब हो गई।

वंदे भारत के खाने से महिला के सूज गए होंठ: रांची की रहने वाली आयुषी सिंह ने 27 मार्च को ट्रेन नंबर 22500 (वाराणसी- देवघर वंदे भारत एक्सप्रेस) से यात्रा की। वह कोच ए1 में सफर कर रही थीं। आयुषी का कहना है कि ट्रेन में दिया गया खाना खाने के बाद उन्हें तेज एलर्जी हो गई। साथ ही उनके दो साल के बच्चे को दस्त की समस्या हो गई। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस घटना की जानकारी दी और बताया कि उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई थी। उन्होंने अस्पताल की पर्ची और कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं।

वंदे भारत के खाने पर फिर उठे सवाल: महिला ने ट्रेन के खाने की गुणवत्ता और साफ-सफाई पर सवाल उठाए हैं। उनका यह भी आरोप है कि शिकायत करने पर ट्रेन स्टाफ का व्यवहार ठीक नहीं था। फिलहाल आयुषी का इलाज रांची के एक अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रेन में दिया गया पानी भी अजीब स्वाद का था, जिससे उन्हें और शक हुआ।

सूक्ति

**सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर**

नक्सलवाद का खात्मा, जिम्मेदारी की नई शुरूआत

गृह मंत्री अमित शाह की ओर से देश की संसद में नक्सलवाद के खात्मे की घोषणा आंतरिक सुरक्षा और लोकतंत्र की मजबूती की दिशा में अहम उपलब्धि है। यह केवल हमारे सुरक्षा अभियानों की सफलता नहीं, बल्कि नक्सलवाद के खिलाफ उस लंबे संघर्ष का परिणाम भी है जिसमें नीति, प्रशासन और जनभागीदारी तीनों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दशकों से भारत के कई हिस्सों, विशेषकर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में फैली यह समस्या शासन और विकास को चुनौतियों का प्रतीक रही है। नक्सलवाद की जड़ें वर्ष 1960 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी क्षेत्र से शुरू हुईं, जहां से यह विचारधारा देश के करीब 200 जिलों तक फैल गई। यह क्षेत्र 'लाल गलियारा' के नाम से जाना जाने लगा। सामाजिक-आर्थिक असमानता, विकास की कमी और प्रशासनिक उपेक्षा ने इस आंदोलन को पनपने का अवसर दिया। परिणामस्वरूप यह केवल वैचारिक संघर्ष नहीं रहा, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन गया। हाल के वर्षों में केंद्र सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाई। एक ओर जहां सुरक्षा बलों ने सुनियोजित अभियान चलाए, वहीं दूसरी ओर सरकार ने विकास और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों का विश्वास जीतने का प्रयास किया। सड़कों, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार उन इलाकों तक किया, जो वर्षों से उपेक्षित थे। इसका परिणाम यह हुआ कि स्थानीय आबादी का रुझान लोकतंत्र की ओर बढ़ा।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि नक्सलवाद के कमजोर पड़ने में सुरक्षा बलों की भूमिका जितनी अहम रही, उतनी ही महत्वपूर्ण सरकार की नीतियां भी रहीं। लोगों को महसूस हुआ कि सरकार उनकी जरूरतों को समझ रही है और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है, तो उन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी को प्राथमिकता दी। हालांकि, नक्सलवाद की समस्या खत्म हो गई है, पर इस तरह की विचारधारा को पूर्ण रूप से खत्म करने के लिए आवश्यक है कि उन मूल कारणों को जड़ से समाप्त किया जाए, जिनसे ऐसी समस्याएं जन्म लेती हैं। आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार व कौशल विकास को प्राथमिकता देना सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होनी चाहिए। इसके साथ ही स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। सरकारी योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह जाएं, तो असंतोष फिर से जन्म ले सकता है। नक्सलवाद के खात्मे को स्थायी सफलता में बदलने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। विकास की रोशनी उन आखिरी गांवों तक पहुंचानी होगी, जहां आज भी बुनियादी सुविधाएं अधूरी हैं। तभी यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि देश के मानचित्र पर लाल गलियारा जैसा कोई शब्द फिर कभी न उभरे और भारत एक समावेशी, सुरक्षित और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ता रहे।

जंग जारी रहेगी

राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका को संबोधित करते हुए यह निष्कर्ष दिया है कि अभी ईरान के खिलाफ जंग जारी रहेगी। आगामी 2-3 हफ्ते में ईरान पर भीषण हमला किया जाएगा। हम जल्द ही अपने लक्ष्य हासिल कर लेंगे। जो जीत हम हासिल कर रहे हैं, दुनिया ने ऐसी जीत कभी नहीं देखी होगी! राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर पुराना मुहावरा दोहराया कि हमने ईरान की वायुसेना, नौसेना, मिसाइल-ड्रोन क्षमताएं नष्ट कर दी हैं। यहां तक कि उसके परमाणु ठिकाने भी तबाह कर दिए हैं। अब ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता। ईरान के सभी बड़े नेता मार दिए गए हैं। यदि ईरान परमाणु बम बना लेता, तो वह अमेरिका -इजरायल के लिए मौत साबित होता! दरअसल जो गलतियां पुराने राष्ट्रपतियों ने की थीं, मैं उन्हें ठीक कर रहा हूं। इस संदर्भ में राष्ट्रपति ट्रंप ने खुलासा किया कि द्वितीय विश्व युद्ध 3 साल 8 माह से अधिक और वियतनाम युद्ध 19 साल से अधिक लड़े गए थे। ईरान युद्ध को अभी 32-33 दिन ही बीते हैं और हमने लगभग लक्ष्य पूरे कर लिए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी दोहराया कि अमेरिका युद्ध खत्म करने के बेहद करीब है। हमारी अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है। गैस उत्पादन में अमेरिका नंबर वन है। हमें तेल के लिए होर्मुज स्ट्रेट की जरूरत नहीं है। जिन्हें तेल-गैस की किल्लत है, जरूरत है, वे खुद होर्मुज जाएं। अलबत्ता हमसे तेल खरीदें, क्योंकि अमरीका के पास बहुत कच्चा तेल है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय संबोधन का सारांश यह दिया है कि ईरान के खिलाफ जंग जारी रहेगी। गौरतलब यह है कि अमरीका ईरान युद्ध पर अभी तक करीब 3.50 लाख करोड़ रुपए खर्च कर चुका है और उसने 200 अरब डॉलर (करीब 19 लाख करोड़ रुपए) का अतिरिक्त बजट मांगा है, लेकिन अमेरिकी कांग्रेस फिलहाल उसे पारित करने के मूड में नहीं है। अमेरिका का युद्ध पर हररोज का औसतन खर्च 9400 करोड़ रुपए का है। अमरीका में पेट्रोल के दाम 4.06 डॉलर प्रति गैलन के स्तर को छू चुके हैं। इस पर ही हाहाकार मचा है, क्योंकि यह बढ़ोतरी अभूतपूर्व है। ईरान में महंगाई दर 50.6 फीसदी है। यह अकल्पनीय है। अनाज की कीमतें 140 फीसदी और डेयरी उत्पादों की कीमतें 117 फीसदी बढ़ गई हैं। एक किलो चावल के दाम 20 लाख रियाल और दाल की कीमत 35 लाख रियाल है। रोजमर्रा की सभी वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। वस्तुओं की उपलब्धता ही सवालिया है। क्या राष्ट्रपति ट्रंप का कोई वैश्विक सरोकार नहीं है? इजरायल की अर्थव्यवस्था का तो कचूमर निकल चुका है। वह तो 1.20 करोड़ की आबादी का छोटा-सा देश है। इजरायल को हर हफ्ते 1.6 अरब डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ अब जनता सडकों पर उतर आई है। यदि भारत का उल्लेख करें, तो करीब 55 लाख भारतीयों को खाड़ी देश छोड़ कर भारत लौटना पड़ा है। दुबई की अति सुरक्षित वाली छवि भी खंडित हुई है। खाड़ी देशों से आधे से अधिक भारतीय लौट आए हैं। इससे नया आर्थिक संकट सामने होगा। कुवैत से 20 भारतीयों के शव केरलम के कोच्चि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लाए गए हैं। वे युद्ध और हादसों के शिकार हुए हैं। यह खुलासा विदेश मंत्रालय के सचिव (गल्फ) ने किया है। क्या स्वदेश लौटे भारतीय बेरोजगार हो गए हैं अथवा औने-पौने मेहनताने पर वे भारत में ही काम करने को विवश होंगे? यदि रसोई गैस (एलपीजी) की किल्लत की चर्चा करें, तो मई, 2026 तक भारत सरकार और तेल कंपनियों को कुल 40,484 करोड़ रुपए का घाटा होगा। तेल, एलएनजी, पीएनजी, खाद आदि के घाटे अलग हैं। होर्मुज पर अब भी हमारे 18 जहाज फंसे हैं। यदि ईरान के साथ भारत का व्यापार-सौदा नए सिरे से हो चुका है और ईरान ने 6 लाख बैरल कच्चे तेल का जहाज भारत की ओर रवाना किया है, तो भारत के अपने जहाजों को भी अनुमति दी जानी चाहिए। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप का संबोधन अर्द्धसत्यों और झूठे, फर्जी दावों से भरा था। जिन मुद्दों के आधार पर अमरीका-इजरायल ने ईरान पर हमला किया था, वे स्थितियां आज भी मौजूद हैं। परमाणु कार्यक्रम अब भी जिंदा और सक्रिय है, हुकूमत आज भी खामेनेई वाली इस्लामी है, होर्मुज पर ईरान का कब्जा है, तो फिर हमला क्यों किया गया था? डोनाल्ड ट्रंप की कौनसी बात पर विश्वास किया जाए, कौनसी सच्ची है, वह कभी बोलते हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा अदृश्य स्तंभ है गृहिणी का श्रम

भारतीय समाज में एक अजीब भ्रम लंबे समय से पलता आ रहा है। घर अपने आप चलता है! रसोई अपने आप जलती है! बच्चे अपने आप बड़े हो जाते हैं! कपड़े अपने आप धुल जाते हैं! इस 'चमत्कार' का नाम है गृहिणी। वह हर जगह मौजूद रहती है। फिर भी आर्थिक गणना में उसका अस्तित्व शून्य रहता है। उसे 'काम' करते हुए देखा जाता है, किंतु उसे 'कमाते' हुए नहीं माना जाता। हाल ही दिल्ली हाईकोर्ट ने इस भ्रम को तोड़ दिया। अदालत ने कहा- नौकरी न करने वाली पत्नी को 'बेकार' नहीं कहा जा सकता। यह वाक्य केवल कानूनी टिप्पणी नहीं है। यह सामाजिक आईना है। इसमें वह चेहरा साफ दिखता है जिसे समाज देखने से बचता रहा है।

सोनम लववंशी

गृहिणी का श्रम भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा अदृश्य स्तंभ है। वह सुबह की पहली रोशनी के साथ सक्रिय हो जाती है। उसका काम किसी टाइम कार्ड में दर्ज नहीं होता। उसे कोई अवकाश नहीं मिलता। उसे कोई बोनस नहीं मिलता। उसका प्रमोशन नहीं होता। उसका रिटायरमेंट नहीं होता। उसका काम जीवन भर चलता है। इस श्रम की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि यह सबसे अधिक आवश्यक है। फिर भी इसे सबसे कम महत्वपूर्ण माना जाता है। जब विवाह होता है, एक महिला केवल अपना घर नहीं बदलती, वह अपना समय बदलती है, अपनी प्राथमिकताएं बदलती है, कई बार अपना करियर छोड़ देती है। वह यह निर्णय अकेले नहीं लेती। यह निर्णय सामाजिक अपेक्षाओं से आकार लेता है। परिवार की जरूरतें उसके सपनों से बड़ी बना दी जाती हैं। यह त्याग उस समय आदर्श कहलाता है। लेकिन बाद में निर्भरता कहकर खारिज कर दिया जाता है। अदालत ने इस दोहरे मापदंड को पहचानते हुए कहा- घरेलू काम को नजरअंदाज करना अन्याय है। यह काम वह आधार है जिस पर एक व्यक्ति का कॅरियर खड़ा होता है। पति की सफलता केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं होती। उसके पीछे एक स्थिर घर होता है। उस घर के पीछे एक स्थिर महिला होती है। यह स्थिरता किसी वेतन से नहीं खरीदी जा सकती।भारतीय समाज में आर्थिक योगदान की परिभाषा बहुत सीमित रही है। केवल वही श्रम मूल्यवान माना गया, जिसे बाजार ने स्वीकार किया। घर का श्रम बाजार के बाहर रहा। इसीलिए उसका मूल्य भी शून्य घोषित कर दिया गया। यह मूल्यांकन आर्थिक से अधिक मानसिक रहा है। यह सोच पितृसत्ता की गहराई से उपजी है। इस सोच ने श्रम को नहीं, श्रमिक को अदृश्य बना दिया। भरण-पोषण के मामलों में यह सोच और स्पष्ट दिखती है। एक महिला जब अपने अधिकार की मांग करती है, उससे उसकी योग्यता का प्रमाण मांगा जाता है। उससे पूछा जाता है, वह कमा क्यों नहीं रही। उससे यह नहीं पूछा जाता, उसने अब तक क्या दिया। उसके योगदान को भविष्य की संभावना से बदल दिया जाता है। उसकी वास्तविकता को उसकी संभावित क्षमता के पीछे छिपा दिया जाता है। दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला इस मानसिकता पर सीधा प्रहार है। अदालत ने स्पष्ट किया कि कमाने की क्षमता और कमाने की वास्तविकता अलग बातें हैं। यह अंतर केवल कानूनी नहीं है। यह जीवन की सच्चाई है। जीवन में हर निर्णय आर्थिक तर्क से नहीं लिया जाता। कई निर्णय भावनात्मक होते हैं। कई निर्णय पारिवारिक होते हैं। इन निर्णयों की कीमत भी वास्तविक होती है। यह फैसला केवल एक महिला की जीत नहीं है। यह उस विचार की जीत है जो श्रम को उसकी वास्तविकता में देखता है। यह उस मौन को आवाज देता है जो वर्षों से घर की दीवारों के भीतर कैद रहा। यह उस श्रम को पहचान देता है जिसे प्रेम और कर्तव्य के नाम पर मुफ्त में लिया गया।

अमेरिका के पाखंड की राजनीति

बांग्लादेश में भी शेख हसीना की सरकार गिराने में अमेरिका का ही हाथ था। इस काम के लिए वह इन देशों के शासनाध्यक्षों तक को लोभ लालच से काबू किए रहता है। जो देश अमेरिका के हितों के प्रतिकूल होता है, उस वेनेजुएला के तो राष्ट्रपति तक को अपनी सेना भेज कर उठा लेता है। ईरान में शासन बदलना है, इसकी घोषणा अमरीका के राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से कर रहे हैं। अमेरिका को मजहब की आजादी की चिंता नहीं है।

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

आ अमेरिका के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 1998 में एक अधिनियम पारित किया था जिसे अमरीका अंतरराष्ट्रीय मजहबी स्वतंत्रता अधिनियम कहता है। इस अधिनियम के तहत अमेरिका का कहना है कि उसके अतिरिक्त दुनिया भर में मजहबी स्वतंत्रता का रक्षक और कोई दूसरा देश नहीं है। इसके आधार पर मजहब को अमेरिकी विदेश नीति का प्रमुख आधार बनाया गया है। इस अधिनियम के आधार पर ही वाशिंगटन ने ह्यअंतरराष्ट्रीय मजहबी स्वतंत्रता अमेरिकी आयोग का गठन किया हुआ है। यह आयोग एक प्रकार से दुनिया भर में फैले अमरीकी दूतावासों को वहां के देशों की आंतरिक स्थिति में दखलअंदाजी का अधिकार प्रदान करता है। यह आयोग दुनिया भर के देशों के बारे में, अमरीका की विदेश नीति के आधार पर हर साल अच्छे या बुरे होने के प्रमाणपत्र जारी करता है। इसके आधार पर वह कुछ देशों को विशेष चिंता करने वाले देश घोषित करता है। पिछले दिनों अमेरिका ने इस आयोग की सालाना रपट जारी की है जिसमें 2025 का लेखा जोखा देने का दावा किया गया है। इसमें भारत को लेकर बहुत ज्यादा चिंता जाहिर की गई है। भारतीय संसद द्वारा पारित अनेक अधिनियमों को मजहबी स्वतंत्रता में दखलअंदाजी बताया गया है। मसलन अनेक राज्यों के मतांतरण निषेध अधिनियम, गोवध निषेध अधिनियम, नागरिकता अधिनियम, यूनिफार्म सिविल अधिनियम इत्यादि। अमेरिका का मानना है कि भारतीय संसद के ये अधिनियम अमरीका के आईआरएफ अधिनियम 1998 का उल्लंघन करते हैं।

इसके अतिरिक्त अमेरिका को यह भी दुख है कि भारत सरकार अपने नागरिकों के लिए एक राष्ट्रीय रजिस्टर तैयार कर रही है जिसमें भारत के सभी नागरिकों का इंदराज किया जाएगा। उसका मानना है कि इस रजिस्टर के बन जाने से मुसलमानों और ईसाइयों की मजहबी स्वतंत्रता के रास्ते में बहुत बड़ी रुकावट आ जाएगी। गोहत्या निषेध प्रावधानों को लेकर भी अमरीका की चिंता बढ़ी हुई दिखाई देती है। उसके लिहाज से इससे भी मुसलमानों और ईसाइयों को अपने मजहबी क्रियाकलाप करने में दिक्कत आती है। एक दूसरी मजेदार बात का भी जिक्र है। कहा गया है कि भारत में औरंगजेब की कब्र है। उसको लेकर विवाद बढ़ रहा है जिससे मुसलमानों के मजहबी कामों में रुकावट पैदा हो रही है। यानी अमरीका के लिहाज से 2024 से भारत में हालात बहुत बदल गए हैं। साफ तौर पर तो नहीं कहा गया है, लेकिन चिंता जाहिर करती है कि 2014 से पहले जब परोक्ष रूप से कमान सोनिया गांधी के हाथों में थी, तब देश ठीक-ठाक चल रहा था। जबसे भाजपा सरकार आई है, तब से देश में उथल पुथल मच गई है। मजहबी स्वतंत्रता को गहरा आघात लगा है। कब्र में औरंगजेब चिंतित है और कब्र के बाहर अमेरिका चिंतित है। इस सारे हालात के लिए अमरीका ने तथाकथित दोषी भी ढूंढ लिए हैं। इसमें सबसे ऊपर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद हैं। इतना ही शायद काफी नहीं था। इसमें भारत सरकार की संस्था रॉ को भी शामिल किया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का विशेष उल्लेख किया गया है। लेकिन हैरानी की बात है कि अमेरिका की नजर में भारत की मौजूदा हालात के लिए जिम्मेदार तथाकथित दोषियों में, उसने एक प्रमुख घटक का नाम छोड़ दिया है। वह है भारत की जनता। अमेरिका के इस तथाकथित मजहबी स्वतंत्रता के रक्षक आयोग ने यह नहीं कहा कि इस सारे कामों की जिम्मेदार भारत की जनता है, जिसने सोनिया गांधी की पार्टी को हटाकर भारतीय जनता पार्टी को सत्ता ही नहीं सौंप दी, बल्कि लगातार सौंपती जा रही है। हैरानी की एक दूसरी वजह भी है। इस रपट में अमरीका को केवल यही चिंता है कि भारत में मुसलमानों की मजहबी आजादी में बाधा डाली जा रही है। इसमें शिया पंथ के मानने वालों से किए जा रहे तथाकथित भेदभाव का उल्लेख नहीं है। कहीं ऐसा तो नहीं कि अमरीका ने बहुत अरसा पहले ही ईरान पर हमला करने का निर्णय कर लिया था। इसलिए शिया पंथ की चर्चा करना रणनीति के हिसाब से ठीक नहीं लगा होगा। अब इस रपट के दूसरे हिस्से की चर्चा जिसका जिक्र इस रपट में नहीं है और न ही होगा। दरअसल बिल क्लिंटन के समय बनाया गया यह अधिनियम और आयोग अमेरिका की विदेश नीति और भविष्य में की जाने वाली उसकी कार्यवाहियों का संकेत देता है। अमरीका को अपने राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक व सामरिक हितों के संवर्धन के लिए जो उचित लगता है, उसको प्राप्त करने के लिए वह इस आयोग के माध्यम से वर्षों पहले वातावरण तैयार करता है। यह आयोग इसी नीति के अनुकूल, उस देश को, उसके महत्वपूर्ण व्यक्तियों को नकारात्मक तरीके से पेश करने शुरू कर देता है और कई साल ऐसा करता रहता है। फिर अनुकूल समय देख कर वह स्वयं ही उस देश को मुक्त करवाने के लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कार्यवाही शुरू कर देगा है। 2014 से कुछ साल पहले मेरी एक पुस्तक राष्ट्रीय चेतना को चुनौती प्रकाशित हुई थी। उसमें मैंने आशंका जाहिर की थी कि यदि भारत में भाजपा सत्ता में आ जाती है तो अमरीका धीरे-धीरे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को उग्र संगठन के रूप में प्रचारित करना शुरू कर देगा। भारत के भीतर की ही कुछ ताकतें अमरीका के स्वर में स्वर मिलाना शुरू कर देंगी और फिर अमरीका भारत में दखलअंदाजी के रास्ते तलाश करेगा। मुझे लगता है अमरीका के इस तथाकथित मजहबी स्वतंत्रता आयोग की इस रपट को इस परिप्रेक्ष्य में भी देखना चाहिए। अमरीका को मजहबी आजादी की आड़ में भी दूसरे देशों की सरकारें उलटने में महारत हासिल है। ईरान की सरकार को पलटने की जो कोशिशें की जा रही हैं, उसके पीछे भी कहीं न कहीं इयातुल्ला खामेनेई, जिनकी हत्या कर दी गई है, की भी मजहबी नीति को ही आधार बनाया गया है। अमेरिका का यह आयोग धमकी भी देता है कि भारत को हथियार देना बंद कर देना चाहिए। इस आयोग की रपट कई सवाल पैदा करती है। क्या अमरीका यह मान कर चलता है कि दुनिया के किस देश में व्यवस्था के लिए कैसा संविधान होना चाहिए, इसका फैसला वह देश नहीं करेगा बल्कि यह फैसला अमरीका करेगा। किसी देश में क्या कानून बनेगा, उसका फैसला भी अमरीका ही करेगा। लेकिन सबसे बड़ी हैरानी यह है कि अमरीका दुनिया भर में उन देशों के साथ खड़ा रहता है जो लोकतंत्र की जगह तानाशाही शासन व्यवस्था के हामी हैं। यहां तक कि अमरीका लोकतांत्रिक देशों की सरकारें उखाड़ने में भी सक्रिय रहता है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान तो खुले आम कहते थे कि अमरीका उनकी सरकार को गिराने के षड्यंत्र करता रहता है। बांग्लादेश में भी शेख हसीना की सरकार गिराने में अमेरिका का ही हाथ था। इस काम के लिए वह इन देशों के शासनाध्यक्षों तक को लोभ लालच से काबू किए रहता है। जो देश अमेरिका के हितों के प्रतिकूल होता है, उस वेनेजुएला के तो राष्ट्रपति तक को अपनी सेना भेज कर उठा लेता है। ईरान में शासन बदलना है, इसकी घोषणा अमरीका के राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से कर रहे हैं। अमेरिका को मजहब की आजादी की चिंता नहीं है। अमेरिका की चिंता केवल इतनी है कि कोई देश ईसाई मिशनरियों के गैर कानूनी कामों में बाधा न पहुंचाए। अमेरिका अभी भी उसी युग में घूम रहा है, जिस युग में जापान का संविधान भी अमेरिका ही बनाता था।

इंद्रियों के बंधन से मुक्ति

श्रीश्री रवि शंकर

चिंतन-मनन

स्व स्वतंत्रता क्या है? स्वतंत्रता का अर्थ है जीवन के उन ढर्रों से मुक्त होना जो दुख का कारण बनते हैं। कोई व्यक्ति जानवरों की तरह, बिना जाने भी जीवन के ढर्रों से गुजर सकता है। इसीलिए जीवन के ढर्रों से मुक्त होने की इच्छा ही एक बड़ा आशीर्वाद है। यदि आपके मन में स्वतंत्रता की थोड़ी सी भी इच्छा जागी है, तो जान लें कि आप बहुत भाग्यशाली हैं। तो फिर आप पर ये ढर्रे कौन थोपता है। पांचों इंद्रियां आपको बांधे रखती हैं। वे आपको या तो किसी चीज के विरुद्ध बनाती हैं या किसी चीज के पक्ष में, चाहे वह स्वाद हो, गंध हो या स्पर्श। जब आप किसी चीज के पक्ष में या उसके विरुद्ध होते हैं, तो आप मुक्त नहीं हो सकते। यदि आप किसी चीज के विरुद्ध हैं, तो जान लें कि आपको उससे मुक्ति नहीं मिल सकती। आप उन लोगों से बंधे रहते हैं जिनसे आप घृणा करते हैं। आपका स्वभाव जीवनदायी किसी चीज की ओर बढ़ने का है। इंद्रियों के वे सभी विषय जो आज को पीछे खींचते हैं, विष के समान हैं और विष को त्यागना आवश्यक है। लेकिन कैसे? इसे छोड़ने में आपकी मदद करने वाले पांच मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। क्षमा या माफी, आर्जव या ईमानदारीय दया या करुणाय संतोष या संतोष और सत्य या सच्चाई। यह जानते हुए भी कि आपने गलती की है, खुद को क्षमा करना पहला सिद्धांत है। यह समझें कि जो कुछ भी हुआ है वह अच्छे के लिए हुआ है और उस पर चिंतन न करें। यदि आप खुद को क्षमा नहीं कर सकते, तो आपने खुद को अतीत से बांध लिया है और सच्चे मन के बिना क्षमा करने में कोई आकर्षण नहीं है। लोग खुद को क्षमा करते रहते हैं, लेकिन वे सच्चे नहीं होते। सच्चे मन की लौ प्रज्वलित करना ही बंधन से मुक्ति पाने के लिए पर्याप्त है। न तो खुद पर और न ही किसी और पर कठोरता बरतो। अकसर आप खुद को इसलिए दंडित करते रहते हैं क्योंकि आप किसी और को दंडित नहीं कर सकते। सभी प्राणियों के प्रति करुणा होनी चाहिए। यदि आप करुणामय नहीं हैं, तो क्रोध आना तय है। एक कुंठाग्रस्त व्यक्ति न तो स्वयं के प्रति और न ही दूसरों के प्रति दयालु हो सकता है। आप किस बात से चिंतित हैं? छोटी-छोटी इच्छाओं और वस्तुओं से!

आपके पत्र

लोकतंत्र की मजबूती को समझदारी से मतदान जरूरी

देश के चार राज्यों- तमिलनाडु, केरल, असम और पश्चिम बंगाल और एक केंद्र शासित प्रदेश पुडूचेरी में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लोकतंत्र में मतदान की अहम भूमिका होती है। हर चुनाव में हर मतदाता को जरूर मतदान करना चाहिए। वैसे तो हर उम्र के मतदाताओं को मतदान में रुचि दिखानी चाहिए, लेकिन युवाओं का दायित्व बनता है कि वो देश की राजनीति की धूमिल होती छवि और अवसरवाद की ओर बढ़ती राजनीति पर लगाम कसने के लिए हर चुनाव में मतदान जरूर करे। महापुरुषों ने युवा वर्ग के लिए कहा था कि युवा देश, समाज में एक अच्छा और सचा बदलाव लाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाए या निभा सकता है। मतदान समझदारी से करना होगा।

अमित सिंह, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची, (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

सदर अस्पताल में अर्थों डॉक्टर के लिए भटकते रहे मरीज व परिजन

साहिबगंज : सदर अस्पताल में गुरुवार को अर्थों डॉक्टर के लिए मरीज व उसके परिजन दिनभर भटकते रहे। इस दौरान एक स्कूली बच्चा के हाथ टूटने पर इलाज के सदर अस्पताल पहुंचा। लेकिन बोर्ड पर अर्थों डॉक्टर की ड्यूटी थी। लेकिन डॉक्टर साहब नहीं थे। परिजन का आरोप है कि जब बोर्ड में अर्थों डॉक्टर का नाम है तो फिर डॉक्टर साहब क्यों नहीं बैठे हैं? मरीज करीब 02:30 बजे तक आर्थो डॉक्टर के इंतजार में बच्चे को लेकर बैठे रहे। इसके चलते परिजनों को काफी परेशानी हुई है। महिला ने आरोप लगाते हुए बताइए की इससे पहले भी अपनी बेटी को लेकर सदर अस्पताल आए थे और डॉक्टर को दिखाने के लिए लेकिन हड्डी के डॉक्टर नहीं थे जितनी बार भी आए एक बार भी मुलाकात नहीं हुए. एक बार किसी तरह मुलाकात भी हुए थे तो पर मुझे डांट कर भगा दिया डॉक्टर का कहना था. हमारा टाइम खत्म हो गया है हम नहीं देखेंगे.वही इस दौरान इमरजेंसी में बैठे डॉक्टर डॉ. केशव कृष्णा द्वारा देखा गया। इधर अस्पताल मैनेजर अमन पांडे ने बताया कि अर्थों के डॉक्टर डॉ. सचिन कुमार छुट्टी पर है। आखिरकार मरीजों को दर-दर भटकना पड़ा सरकार के द्वारा लाभ मरीजों को मिल तो रही है लेकिन बड़ी मुश्किल मरीजों को हो रही है`

स्वास्थ्य विभाग में समस्त कार्यक्रमों का बारीकी से हुई चर्चा

साहिबगंज/राजमहल : प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी राजमहल एवं उपाधीक्षक अनुमंडल अस्पताल राजमहल के संयुक्त अध्यक्षता में प्रखंड टास्क फोर्स की बैठक आहूत की गई। उक्त बैठक में स्वास्थ्य विभाग में समस्त कार्यक्रमों का बारीकी से चर्चा की गई व प्रखंड विकास पदाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया की कार्य में कोताही एवं लक्ष्य में प्राप्ति नहीं करने वाले कर्मी पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी साथ ही साथ एचपीवी टीकाकरण हेतु शिक्षा विभाग से आए प्रतिनिधि को आवश्यक दिशा निर्देश दिए और जल्द से जल्द मानक के अनुरूप बच्चियों को टीके से अच्छादीत करने का निर्देश दिया गया वहीं मौके पर उपस्थित महिला पर्यवेक्षीका बाल विकास परियोजना राजमहल को कुपोषण उपचार केंद्र में चिन्हित कुपोषित बच्चों को भर्ती कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया मौके पर यक्ष्मा के पर्यवेक्षक संजय यादव के कार्य की सराहना करते हुए 100 दिवसीय टीवी सदन खोज अभियान में लक्ष्य की प्राप्ति का निर्देश दिया गया।उक्त बैठक में प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक का लेखा प्रबंधक अमित कुमार,प्रखंड डाटा प्रबंधक नितिन मुर्मू, विश्व स्वास्थ्य संगठन से सुनील रंजन, पर्यवेक्षक मनीष टुडू,डेनियल किस्कू,सुनील कुमार एवं अन्य उपस्थित रहे।

पिछले कई दिनों से गैस समय पर नहीं मिल रहा है : उपभोक्ता

साहिबगंज : शहर में इन दिनों रसोई गैस की किल्लत से आम लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।गुरुवार को पुलिस लाइन स्थित शिव मंदिर के पास जैसे ही गैस वितरण की सूचना मिली, सैकड़ों उपभोक्ता खाली सिलेंडर लेकर मौके पर पहुंच गए और लंबी कतार लग गई। महिलाएं, बुजुर्ग और युवा घंटों तक अपनी बारी का इंतजार करते रहे। उपभोक्ताओं का कहना है कि पिछले कई दिनों से गैस समय पर नहीं मिल रही है,जिससे घरों में खाना बनाने में भी दिक्कत हो रही है।बार-बार एजेंसी और वितरण स्थल का चक्कर लगाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को अनुमंडल पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी और सदर अंचल अधिकारी ने इंडेन गैस गोदाम का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान अधिकारियों ने गैस सिलेंडरों के स्टॉक, वितरण प्रक्रिया और रिकॉर्ड की जांच की।अधिकारियों ने एजेंसी संचालकों को निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराई जाए और वितरण में पूरी पारदर्शिता बरती जाए। साथ ही किसी भी प्रकार की गड़बड़ी मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

मजदूरों का अधिकार के मांगो लेकर राजमहल शहर में रैली निकाली जाएगी

साहिबगंज : सामुदायिक भवन करणपुरा में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक जिला महामंत्री मोहम्मद इमाम विश्वास की अध्यक्षता में संगठन मजबूती को लेकर बैठक की गई।बैठक मे मुख्य अतिथि केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव एवं विशिष्ट अतिथि केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी मुख्य रूप से मौजूद थे।इस बैठक मे जिला कमेटी के पदाधिकारीयो के बारे में चर्चा,सदस्यता अभियान चलाना और मई दिवस की सफलता को लेकर चर्चा किया गया।इस बैठक में निष्क्रिय कार्यकर्ता का दायित्व में फेरबदल किया गया है जिसकी सूची केंद्र कमेटी को सौपना है।वही मई दिवस का स्थान बाकुडी से परिवर्तन करके राजमहल में मनाने का निर्णय लिया गया है।साथी मजदूरों का अधिकार के मांगो लेकर राजमहल शहर में रैली निकाली जाएगी।संगठन को मजबूत करने के लिए सभी सदस्य से सहयोग करने की अपील केंद्र महामंत्री राजकुमार यादव ने की है।बैठक मे झारखंड मजदूर संघ महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अंजू कुमारी देवी को पद मुक्त किया गया।मौके पर मिथुन यादव,इकरामुल अली,पोलुस गुरुजी टुडू,निखिल यादव,दीपक मंडल, मोहम्मद सैयदअख्तर,मोहम्मद मुक्लेश्वर रहमान,पवन किस्कु,अमीन खान, अंसारी,राकेश महतो,मंझला मुर्मू,मनीष मंडल आदि मौजूद थे।

परिवर्तनीय लिखत अधिनियम मामलों के निपटारे के लिए 25 अप्रैल को विशेष लोक अदालत

संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज द्वारा एनआई एक्ट परिवर्तनीय लिखत अधिनियम से संबंधित मामलों के निपटारे हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में एक बैठक प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री सिंधु नाथ लमाये, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री अभिषेक प्रसाद , जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत, सिविल जज सह न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी श्री आलोक मरांडी अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी श्री तुषार आनंद, न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी श्री सुमित कुमार वर्मा उपस्थित रहे। यह विशेष लोक अदालत 25 अप्रैल 2026 को मासिक लोक अदालत के साथ आयोजित की जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य एनआई एक्ट से संबंधित मामलों -विशेषकर चेक बाउंस मामलों-का सौहार्दपूर्ण समाधान करना, पक्षकारों के बीच विश्वास एवं सद्भाव स्थापित करना तथा लंबित मामलों की संख्या को कम करना है। झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार झालसा द्वारा इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इसके अंतर्गत 1 अप्रैल, 2026 एवं 6 अप्रैल, 2026 को संबंधित न्यायिक पदाधिकारियों बैंकों वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। 7

अप्रैल से 15 अप्रैल, 2026 के बीच उपयुक्त मामलों की पहचान कर संबंधित पक्षकारों को नोटिस जारी किए जाएंगे। साथ ही, 20 अप्रैल से 24 अप्रैल, 2026 तक पूर्व-लोक अदालत बैठकों का आयोजन कर मामलों के समाधान हेतु प्रयास किए जाएंगे। विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु पारा विधिक स्वयंसेवक -न्याय मित्र द्वारा नोटिस तामिला एवं जागरूकता फैलाने का कार्य किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, मामलों के प्रभावी समाधान के लिए प्रशिक्षित मध्यस्थों की सेवाएं भी ली जाएंगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा इस विशेष लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु बैनर, होर्डिंग, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का उपयोग कर रहा है।साथ ही आगामी 9 मई, 2026 को आयोजित होने वाली इस वर्ष की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर भी आवश्यक तैयारियों पर विशेष चर्चा की गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष श्री अखिल कुमार ने आमजन से अनुरोध किया है कि वे अपने एनआई एक्ट से संबंधित प्री-लिटिगेशन और न्यायलय में लंबित मामलों को लोक अदालत में निष्पादन कराने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अथवा अनुमंडल विधिक सेवा समिति, राजमहल में कार्यालय अवधि के दौरान आवेदन दाखिल कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए प्राधिकार के मोबाइल नंबर 9471521725 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल न्यायिक प्रक्रिया को सरल, सुलभ एवं त्वरित बनाएगी, बल्कि आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण समाधान की संस्कृति को भी मजबूत करेगी।

प्रथम खेलो इंडिया ट्राइवल गेम्स छत्तीसगढ़ में एमानुएल किस्कू के रजत पदक

झारखंड टीम में योगदान से देश भर में झारखंड पुरुष टीम उपविजेता बनी

संवाददाता

साहिबगंज : खेल एवं युवा मामले ,भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 25 मार्च से 02 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ जगदलपुर में संपन्न प्रथम खेलो इंडिया ट्राइवल गेम्स जगदलपुर, छत्तीसगढ़ झारखंड एथलेटिक्स पुरुष टीम 03 स्वर्ण, 01रजत एवं 03 कांस्य पदक जीत पूरे देश भर में उपविजेता रही।

जिसमें जिले में खेल विभाग द्वारा संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षु एथलीट एमानुएल किस्कू ने 4 गुणा 100 मीटर रिले दौड़ में रजत पदक महत्वपूर्ण योगदान रहा। कोच योगेश यादव के प्रशिक्षण में 15 वर्षीय एमानुएल किस्कू के द्वारा सीनियर पुरुष वर्ग में खेलो इंडिया एथलेटिक्स में जीता गया पहला पदक रहा।वहीं 110 मीटर हर्डल्स में चौथे स्थान पर रही। इस उपलब्धि पर उपायुक्त हेमंत सती, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा,आई.टी.डी. ए. निदेशक संजय कुमार,अपर समाहर्ता गौतम भगत,जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा,जिला खेल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष समेत जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

कॉलेज की जमीन पर नगर पालिका द्वारा जबरन कार्य कराने का आरोप

संवाददाता

साहिबगंज : नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 17 साहिबगंज कॉलेज के सटे बड़ा नाला के पास नगर परिषद के द्वारा बनाए जा रहे अर्बन हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर के निर्माण कार्य को गुरुवार को कॉलेज प्रशासन के द्वारा रोक लगा दी गई।प्राचार्य समेत शिक्षकों का आरोप है कि यह कॉलेज की जमीन है।प्राचार्य डॉ एसआरआई रिजवी समेत शिक्षकों ने उक्त स्थल पर पहुंच कर कार्य को बंद कर दिया।प्राचार्य ने कहा कि यह गलत है नगर परिषद की मनमानी है बिना सूचना के कार्य कराया जा रहा है।इससे पहले भी कार्य को रोका गया था।वहीं मामले की सूचना मिलने पर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार उक्त स्थल पर पहुंचकर काम को पुन चालू करवाया।वहीं प्राचार्य डॉ एस आर आई रिजवी ने बताया कि कॉलेज की जमीन पर नगर परिषद के द्वारा जबरन निर्माण कार्य किया जा रहा है।जो गलत है।बीते 11 मार्च को भी चल रहे कार्य को रोक कर संबंधित अधिकारी को अवगत कराया गया था।लेकिन इसे पुनः नगर परिषद के द्वारा कार्य किया जा रहा है।कॉलेज प्रशासन के पास रजिस्टर डीड के संबंधित दस्तावेज मौजूद है।इसकी शिकायत कुलपति को पत्र के माध्यम से की गई है।वही नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि उक्त जमीन पर अर्बन हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर कार्य हो रहा है यह जमीन उसे डीसी के द्वारा चिन्हित कर उपलब्ध कराया गया है।टेंडर का प्रक्रिया करते हुए जमीन पर कार्य कराया जा रहा है अगर कॉलेज प्रशासन को किसी तरह की आपत्ति है तो जिला प्रशासन से मिलकर बात रख सकते हैं।

501

दुमका के चार खिलाड़ी ने लिया तीरंदाजी प्रतियोगिता में हिस्सा.ल्रीं ल्ली दुमका.....

25 मार्च से 04 अप्रैल 2026 तक छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित किये जा रहे तीरंदाजी प्रतियोगिता में एकलव्य तीरंदाजी केंद्र, (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) कमार दुधानी, दुमका के चार प्रतिभाशाली खिलाडी मेघा बेसरा, कृष्णा पिंगुआ, दिनेश मुर्मू, साइमन सोरेन ने भाग लिया है। इस प्रतियोगिता में गुरुवार को मेघा बेसरा ने कम्पाउंड व्यक्तिगत स्पर्द्धा में रजत पदक, मिक्स टीम इवेंट में कांस्य पदक और टीम इवेंट में कांस्य पदक जीत कर दुमका के साथ झारखण्ड का नाम रौशन किया है, तथा कृष्णा पिंगवा ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए मिक्स टीम इवेंट स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहा, जिसमें उडए के प्रशिक्षक सुमित कुमार मिश्रा के मेहनत और प्रशिक्षण का

डीसी ने 10वीं राष्ट्रीय जूनियर सॉफ्टबॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का किया उद्घाटन

संवाददाता

देवघर : 10वीं राष्ट्रीय जूनियर सॉफ्टबॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 का गुरुवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों से आए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उनके खेल कौशल की सराहना की।

इसके अलावा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त श्री लकड़ा ने कहा कि यह हमारे जिले के लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि हमें सॉफ्टबॉल क्रिकेट प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह के आयोजनों से स्थानीय स्तर पर खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलता है, जिससे वे राज्य और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित होते हैं। आगे खिलाड़ियों को सफलता का गुरुमंत्र देते हुए उपायुक्त श्री लकड़ा ने जीवन में चार महत्वपूर्ण सिद्धांतों को आत्मसात करने की सलाह दी। बेहतर खेल के लिए सही पोषण अनिवार्य है। शारीरिक फिटनेस ही मैदान पर प्रदर्शन का आधार है। मानसिक और शारीरिक रिकवरी के लिए पर्याप्त नींद जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण तनाव मुक्त रहकर ही खिलाड़ी अपनी रणनीति को सही ढंग से लागू कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि यदि खिलाड़ी इन मंत्रों पर अमल करेंगे, तो वे न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकेंगे।

केंदू पत्ती सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

संवाददाता

दुमका : संथाल परगना प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त संजय कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को वर्ष 2026 केंदू पत्ती मौसम हेतु संग्रहण दर निर्धारण के लिए केंदू पत्ती सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं समिति के सदस्यों द्वारा विचार-विमर्श करते हुए वर्तमान मजदूरी दर, बाजार स्थिति तथा पूर्व वर्षों के अनुभवों का विश्लेषण किया गया। चर्चा के क्रम में बताया गया कि वर्तमान संग्रहण दर 1883 रुपये प्रति मानक बोरा है, जबकि मजदूरी एवं अन्य लागतों में वृद्धि के कारण दर में संशोधन आवश्यक है। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि वर्ष 2026 के लिए केंदू पत्ती का संग्रहण दर सरकारी एवं रैयती भूमि दोनों के लिए 2014 रुपये प्रति मानक बोरा निर्धारित किया जाए।

नफरत की नहीं बल्कि एकजुटता व विकास की राजनीति करता है झामुमो : सीएम

संवाददाता

साहिबगंज : असम विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर खूमतई विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि झामुमो नफरत की नहीं बल्कि एकजुटता व विकास की राजनीति करता है।इसकी बानगी देखना हो तो झारखंड इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। इसके पूर्व झामुमो के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता सह स्टार प्रचारक पंकज मिश्रा सहित ने मंच पर मुख्यमंत्री का स्वागत किया।इधर सीएम हेमंत सोरेन ने हिमंता बिस्वा शर्मा के नेतृत्व वाली असम सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र चाय बागानों में काम करने वाले हजारों मजदूरों की मेहनत पर टिका है।लेकिन वर्षों से इन मजदूरों का शोषण होता आ

रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने मजदूरों की स्थिति सुधारने के बजाय उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया है।असम के चाय बागानों में काम करने वाले मजदूरों की मेहनत से यहां की अर्थव्यवस्था चलती है। लेकिन उन्हें आज भी मात्र 250 रुपए की दिहाड़ी मिल रही है।यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। महागठबंधन की सरकार बनते ही सबसे पहले इन मजदूरों की मजदूरी सीधे 500 रुपये कर दी जाएगी और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाया जाएगा। कहा कि खूमतई सहित पूरे क्षेत्र में रहने वाले पहाड़ी मजदूरों और वंचित समुदायों को अब उनका हक दिलाने का समय आ गया है।टी ट्राइबल्स को एसटी का दर्जा दिलाने के लिए ठोस पहल की जाएगी। शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा का उन्हें पूरा लाभ दिया जाएगा।सीएम ने कहा कि अमित नाग को सिर्फ प्रत्याशी नहीं बनाया गया है बल्कि उनकी पीठ पर तीर धनुष छाप लगा है।उन्होंने लोगों से 9 तारीख को झामुमो प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील की।

जाह्नवी कपूर ने उठाया बड़ा कदम, शराब की लत को मेंटल हेल्थ ईशू मानने की मुहिम शुरू

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने हाल ही में एक ऐसे मुद्दे पर आवाज उठाई है, जिसे समाज अक्सर नजरअंदाज कर देता है। उन्होंने साफ कहा कि आज के सोशल सर्कल में शराब पीना एक ट्रेंड बन चुका है, लेकिन लोग यह समझ ही नहीं पाते कि कब यह आदत एक खतरनाक लत में बदल जाती है। उनका कहना है कि शराब की लत सिर्फ एक खराब आदत नहीं, बल्कि एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जिसका असर दिमाग, व्यवहार और भावनाओं पर पड़ता है।

समाज की सोच बनी सबसे बड़ी बाधाः भारत में लाखों लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि इसे सही तरीके से समझा ही नहीं जाता। अक्सर लोग इसे इच्छाशक्ति की कमी मान लेते हैं, जिससे पीड़ित व्यक्ति को सही समय पर मदद नहीं मिल पाती। यही वजह है कि लोग न तो अपनी समस्या पहचान पाते हैं और न ही इलाज की ओर बढ़ते हैं।

इसी सोच को बदलने के लिए की एक जागरूकता पहल शुरू की है। इस कैंपेन का मकसद लोगों को यह समझाना है कि शराब की लत एक इलाज योग्य मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है और इसके लिए मदद लेना बेहद जरूरी है। जाह्नवी का कहना है कि शराब को लेकर बातचीत या तो होती ही नहीं, और अगर होती भी है तो उसमें जजमेंट ज्यादा होता है। ऐसे माहौल में जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुंच ही नहीं पाती।

इस पहल को और प्रभावी बनाने के लिए जाह्नवी ने अमेह के साथ साझेदारी की है। अमेह एक जानी-मानी मानसिक स्वास्थ्य संस्था है, जो क्लिनिकल और भरोसेमंद इलाज प्रदान करती है।

लंबे समय तक चलेगी जागरूकता की यह मुहिमः यह पहल एक लॉन्ग-टर्म प्रोजेक्ट है, जिसमें एक्सपर्ट्स की सलाह, लोगों के अनुभव और आसान भाषा में जानकारी के जरिए शराब की लत को समझाया जाएगा। इसका उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना नहीं, बल्कि लोगों के मन से शर्म और डर को खत्म करना भी है, ताकि वे बिना हिचकिचाहट मदद ले सकें।

हनी सिंह और रैपर बादशाह के गानों पर गिरी गाज, दिल्ली हाईकोर्ट ने लगाई फटकार, वॉल्यूम1 गाने पर लगाया बैन

दिल्ली हाई कोर्ट ने 2 अप्रैल, गुरुवार को, जाने-माने रैपर यो यो हनी सिंह और बादशाह के गानों पर एक ऑर्डर पास किया है. कोर्ट सिंगर्स के 2006 में रिलीज हुए गानों के खिलाफ एक मामले की सुनवाई कर रहा था. ट्रैक को वल्गर और डेरोगेटरी बताते हुए, कोर्ट ने कहा कि यह सिविलिटी के मिनिमम स्टैंडर्ड्स का भी पूरी तरह से अनादर करता है. कोर्ट ने इसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से हटाने का निर्देश दिया है.

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने कहा कि कोर्ट का जमीर पूरी तरह हिल गया है और कानून के राज से चलने वाले समाज में कला की आजादी और बोलने की आजादी की आड़ में नाबालिगों के लिए मौजूद प्लेटफॉर्म पर गाने को फैलाना मंजूर नहीं किया जा सकता. जस्टिस कौरव ने कहा कि उन्होंने अपने चैंबर में गाना सुना और सोचा कि इसमें कोई कला या सामाजिक वैल्यू नहीं है, और यह महिलाओं को मजाक का विषय

बनाता है. गाने का टाइटल ऑर्डर में नहीं लिखा जा सकता. यह पूरी तरह से नामंजूर लगता है.

कोर्ट ने कहा, 'कोर्ट ने पाया कि गाना बहुत ही भद्दा, अश्लील और महिलाओं के लिए अपमानजनक है. गाने के बोल न सिर्फवल्गर और डेरोगेटरी हैं, बल्कि महिलाओं को मजाक और सेक्सुअल संतुष्टि की चीज के तौर पर देखने में अमानवीय और नॉर्मल भी बनाते हैं.'

कोर्ट ने कहा कि यह गाना, जिसे कथित तौर पर रैपर्स ने 2006 में अपने कोलेबोरेशन 'माफिया मुंडेर' के तहत रिलीज किया था, सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने अपलोड किया है और इसे लाखों व्यूज मिले हैं.

कोर्ट ने इस मुद्दे पर हिंदू शक्ति दल की पिटीशन पर हनी सिंह और बादशाह को नोटिस जारी किया और रैपर्स के साथ-साथ अपलोड किए गए गाने या उसके वर्जन पर हक जताने वाले किसी भी दूसरे व्यक्ति को इसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से हटाने का निर्देश दिया है.

कोर्ट ने कहा, 'कोर्ट का मानना ??है कि पब्लिक प्लेटफॉर्म पर, जो नाबालिगों के लिए भी एक्सेसिबल हैं, उस गाने को फैलाने की इजाजत देना, आर्टिस्टिक फ्रीडम और फ्री स्पीच की आड़ में सही नहीं ठहराया जा सकता. यह गाना सिविलिटी के मिनिमम स्टैंडर्ड का पूरी तरह से उल्लंघन है.'

पिटीशनर के वकील ने कहा कि हालांकि दोनों रैपर्स ने गाना गाने से मना किया है, लेकिन हनी सिंह ने दिल्ली में एक कॉन्सर्ट में इसके कुछ हिस्से गाए, जिससे गाने को बनाने को लेकर विवाद और बढ़ गया. सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने कहा कि गाने को सोशल मीडिया पर रहने की इजाजत नहीं दी जा सकती और इसे हटाना होगा. कोर्ट ने केंद्र को पिटीशनर द्वारा दिए गए गाने के किसी भी दूसरे यूआरएल को हटाने के लिए जरूरी निर्देश जारी करने का निर्देश दिया. अब इस मामले की सुनवाई 7 मई को तय की गई है.

रितेश देशमुख का सपना था कि शिवाजी महाराज पर फिल्म बनाए

बॉलीवुड स्टार अभिषेक बच्चन ने बताया कि यह रितेश देशमुख का सपना था कि वह शिवाजी महाराज पर फिल्म बनाएं। जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी की फिल्म राजा शिवाजी में रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन पहली बार साथ नजर आएंगे। यह फिल्म अभिषेक बच्चन के लिए खास है क्योंकि यह उनकी पहली मराठी फिल्म है। इसमें वह योद्धा संभाजी शाहाजी राजे भोसले का किरदार निभा रहे हैं, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े भाई थे।

हाल ही में फिल्म का पहला टीजर रिलीज हुआ, जिसमें

अभिषेक बच्चन एक दमदार और अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। वह योद्धा के रूप में युद्ध के मैदान में दिखाई देते हैं और अपने भाई शिवाजी महाराज के साथ उनके रिश्ते को भी दिखाया गया है। अभिषेक बच्चन ने बताया कि यह रितेश देशमुख का सपना था कि वह शिवाजी महाराज पर फिल्म बनाएं। उन्होंने कहा कि उनकी और रितेश की दोस्ती करीब 25 साल पुरानी है, जब वे लातूर में फिल्म ह्यजमीनह्ण की शूटिंग कर रहे थे। वहीं से दोनों की दोस्ती शुरू हुई और बाद में कई फिल्मों में साथ काम किया।उन्होंने बताया कि एक बार रितेश ने अपने घर पर उन्हें बताया था कि वह सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि डायरेक्शन में भी कुछ बड़ा करना चाहते हैं और शिवाजी महाराज पर फिल्म बनाना उनका सपना है। अभिषेक ने कहा कि फिल्म का टीजर लोगों को काफी पसंद आ रहा है और उन्हें अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। उन्होंने रितेश की तारीफ करते हुए कहा कि यह अब तक की सबसे बड़ी मराठी फिल्मों में से एक हो सकती है। फिल्म में जबरदस्त एक्शन, शानदार विजुअल्स और मजबूत कहानी देखने को मिलेगी।

चेक बाउंस केस में फंसे राजपाल यादव को दिल्ली हाईकोर्ट ने सख्त लहजे में कहा -नहीं का मतलब नहीं

बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। चेक बाउंस से जुड़े एक पुराने मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने अभिनेता के ढुलमुल रवैये पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए स्पष्ट किया कि अदालत की विनम्रता को उसकी कमजोरी न समझा जाए।

सुनवाई के दौरान उस वक्त असहज स्थिति पैदा हो गई जब राजपाल यादव और उनके वकील की दलीलों में अंतर देखने को मिला। राजपाल यादव जहां पैसे चुकाने की इच्छा जता रहे थे, वहीं उनके वकील का तर्क था कि अभिनेता पहले ही जेल की सजा काट चुके हैं, इसलिए अब भुगतान का सवाल नहीं उठता।

इस पर जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहाः आप कह रहे हैं कि आप पैसे देने को तैयार हैं, लेकिन आपके वकील कह रहे हैं कि आप जेल जा चुके हैं इसलिए भुगतान नहीं करेंगे। अगर आप वाकई भुगतान करना चाहते हैं, तो मुझे मामला सुनने की जरूरत ही क्या है ? सीधे भुगतान कर दीजिए। जब अभिनेता ने 6 करोड़ चुकाने के लिए 30 दिन की मोहलत मांगी, तो कोर्ट ने उसे सिरे से खारिज कर दिया। जज ने दो टूक कहा, नहीं का मतलब नहीं। अब कोई अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा।

क्या है पूरा मामला ? : यह विवाद मुरली प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा दायर किया गया है। मामला नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत आता है।

मई 2024: सेशन कोर्ट ने राजपाल यादव को दोषी पाते हुए 6 महीने की जेल सुनाई थी।

हाईकोर्ट का हस्तक्षेपः सजा पर इस शर्त के साथ रोक लगाई गई थी कि दोनों पक्ष आपसी समझौते से विवाद सुलझाएंगे।

फरवरी 2026: कोर्ट के आदेश के बावजूद 2.5 करोड़ की किस्त जमा न करने पर राजपाल यादव को सरेंडर करना पड़ा। 1.5 करोड़ जमा करने के बाद उन्हें अंतरिम राहत मिली थी।

बकाया राशि का गणित : शिकायतकर्ता कंपनी के वकील अवनीत सिंह सिक्का के अनुसार, अभिनेता पर कुल देनदारी लगभग 10 करोड़ की थी। अब तक ट्रायल कोर्ट में करीब2 करोड़ जमा किए गए हैं। अभी भी लगभग 7.75 करोड़ की राशि लंबित है। वकील ने तर्क दिया कि जेल की सजा काट लेने मात्र से वित्तीय देनदारी खत्म नहीं हो जाती।

भारतीय बाजार में धुरंधर दि रिवेंज का राज, कमाई 920 करोड़ पार

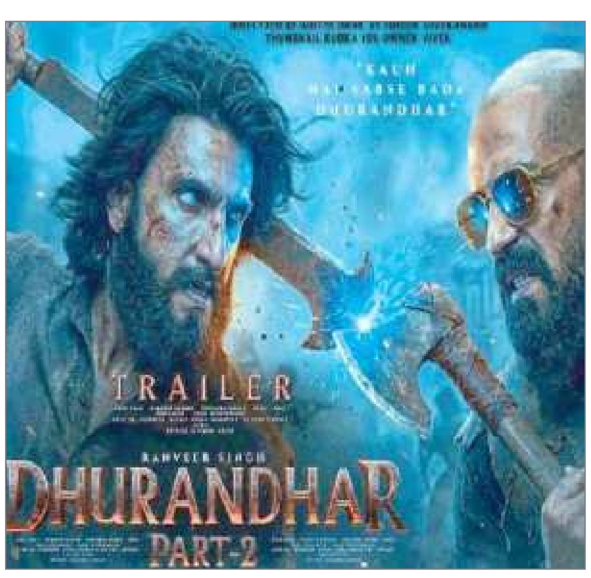

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधरः दि रिवेंज ने भारतीय बाजार में दो सप्ताह में 920 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। यह सिर्फ भारतीय बाजार का आंकड़ा है। विदेशों में कमाई के आंकड़े अलग हैं। आदित्य धर के निर्देशन में बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर का सीक्वल बॉक्स ऑफिस पर राज कर रहा है। रणवीर सिंह की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म रिलीज होने के बाद से ही दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। फिल्म में रणवीर सिंह, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, राकेश बेदी और सारा अर्जुन की अहम भूमिका है। सैकनिल्क के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पेड प्रीव्यू के दौरान 18 मार्च को फिल्म ने 43 करोड़ की कमाई की। फिल्म ने रिलीज के पहले सप्ताह भारतीय बाजार में 674.17 करोड़ की धमाकेदार कमाई की। फिल्म ने दूसरे सप्ताह में 245.85 करोड़ की कमाई की है। इस तरह इस फिल्म 14 दिनों में भारतीय बाजार में 920. 02 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। उम्मीद की जा रही है कि धुरंधरः दि रिवेंज जल्द ही भारतीय बाजार में 1000 करोड़ की कमाई कर लेगी।

पंत और टीम जोरदार वापसी करेंगे, लखनऊ की हार के बाद संजीव गोयनका के रिएक्शन ने जीता दिल

नई दिल्लीः लखनऊ सुपर जाएंट्स की आईपीएल 2026 में पहली हार के बाद मालिक संजीव गोयनका का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह कप्तान ऋषभ पंत और सपोर्ट स्टाफ से बातें करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो की तुलना फैंस ने केएल राहुल के आईपीएल 2024 वाले इंसिडेंट से की। संजीव गोयनका एक मैच हारने के बाद केएल राहुल की बीच मैदान पर क्लास लगाई थी। अब यह साफ नहीं है कि इस बार गोयनका ने पंत से क्या बात की, मगर फैंस का कहना है कि गोयनका को बीच मैदान पर किसी खिलाड़ी से ऐसे बात नहीं करनी चाहिए। इसको लेकर उनकी खूब आलोचना हो रही है। इस बीच उनका एक और पोस्ट सामने आया है, जो उन्होंने लखनऊ सुपर जाएंट्स की हार के बाद किया है।

इस पोस्ट में हालांकि संजीव गोयनका अपनी टीम का मनोबल बढ़ाते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने फैंस से वादा किया कि उनके कप्तान ऋषभ पंत और पूरी टीम टूर्नामेंट में जोरदार वापसी करेंगे। संजीव गोयनका ने एक्सपर लिखा, यह एक लंबा सीजन है, और ऐसे पल कुछ मतलब का बनाने का हिस्सा होते हैं। मुझे अपने कैप्टन और टीम पर पूरा भरोसा है कि वे मजबूती से जवाब देंगे। हमारे फैंस, आज इकाना में आपके सपोर्ट के लिए धन्यवाद, हम और मजबूत होकर वापस आएंगे। इस सीजन में लखनऊ सुपर जाएंट्स की कहानी अभी लिखी नहीं गई है।

हम बड़ी साझेदारी नहीं कर पाएः लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने मैच हारने के बाद कहा, बल्लेबाजी में हम बड़ी साझेदारी नहीं कर पाए। योजना यह थी कि निकोलस पूरन पांचवें नंबर पर आकर बीच के ओवरों में जिम्मेदारी संभालें। हमें एक ऐसे खिलाड़ी की जरूरत थी जो इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर कुछ रन जोड़ सके, क्योंकि एक अच्छी पिच पर हमारे पास काफी रन नहीं थे। हमने आयुष बडोनी के लिए एक खास भूमिका तय की थी कि जब हमारे शुरूआती विकेट जल्दी गिर जाएं, तो वह उस समय छाप छोड़ सकें। नई गेंद से काफी मदद मिल रही थी, लेकिन आप 140 रन (141 रन) बनाकर विपक्षी टीम पर दबाव नहीं डाल सकते।

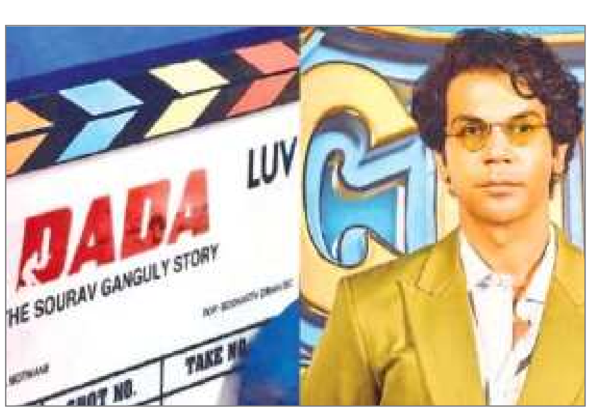

गांगुली की बायोपिक की शूटिंग शुरू, दादा का रोल निभा रहे राजकुमार

एक्टर राजकुमार राव ने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली की बायोपिक की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका टाइटल ह्यदादाह्ण रखा गया है। इसकी जानकारी देते हुए राजकुमार ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, और यह शुरू होता है एकमात्र दादा। बता दें कि बायोपिक को लव रंजन प्रोड्यूस और विक्रमादित्य मोटवाने डायरेक्ट कर रहे हैं। इससे पहले सौरव गांगुली ने बताया था कि फिल्म में उनका रोल राजकुमार राव निभाएंगे, हालांकि डेट्स की समस्या के कारण फिल्म को रिलीज होने में एक साल से अधिक समय लग सकता है।

राजकुमार राव जल्द ही एक और बायोपिक निकम में नजर आएंगे, जो वकील उज्ज्वल निकम की जिंदगी पर आधारित है। इसके अलावा वे रफ्तार में दिखाई देंगे, जिसमें कीर्ति सुरेश भी हैं। यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आईपीएल 2026 : पंजाब किंग्स के खिलाफ लय में लौटने उतरेंगे सुपर किंग्स

एजेंसी/चेन्नईः चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अपना घरेलू मैदान मजबूत गढ़ रहा है, लेकिन पंजाब किंग्स के खिलाफ शुक्रवार को चेन्नई में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में जीत हासिल करने के लिए उसे खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दोनों टीमों के लिए चोट और फिटनेस एक बड़ी चुनौती है। सीएसके के महेंद्र सिंह धोनी और डेवाल्ड ब्रेविस फिट न होने की वजह से पहले मैच में नहीं दिखे थे। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर तो पहले ही मुकाबले में चोट लगा बैठे थे। देखना होगा कि ब्रेविस इस मैच में खेलेंगे या नहीं।

अय्यर की फिटनेस पर भी निगाह रहेगी। सीएसके की राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में शुरूआत निराशाजनक रही थी। युवा खिलाड़ियों से भरी उसकी टीम गुवाहाटी में किसी भी विभाग में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा। सीएसके अब उस हार को भुलाकर नए सिरे से अपना अभियान शुरू करने की कोशिश करेगा। हाल ही में हुए टी-20 विश्व कप के दौरान चेन्नई की पिच के व्यवहार को को देखते हुए यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होना चाहिए। संजू सैमसन सीएसके के लिए अपने पहले मैच में खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे और वह इसकी भरपाई करने के लिए बेताब होंगे। गेंदबाजी की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी के आगे मैट हेनरी और नूर अहमद जैसे गेंदबाज फीके पड़ गए। वे इससे उबरने के लिए बेताब होंगे। जहां तक पंजाब किंग्स का सवाल है तो उसे ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली के रूप में तीसरे नंबर का भरोसेमंद बल्लेबाज मिल गया है।

पंजाब किंग्स— श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह ओमरजाई, मार्को यानसेन, मार्क्स स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बराड़, विजय वैशाक, यश ठाकुर, कोनोली, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स— ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, संजू सैमसन, शिवम दुबे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, मैट हेनरी, राहुल चाहर, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, आयुष म्हात्रे।

मालदा कांड का मास्टरमाइंड बागडोगरा एयरपोर्ट से गिरफ्तार, यहीं से था भागने का प्लान

मालदा : पश्चिम बंगाल के मालदा स्थित कालियाचक में सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने और भीषण हिंसा भड़काने के मामले में पुलिस को एक बहुत बड़ी कामयाबी मिली है। इस पूरे खौफनाक कांड के मास्टरमाइंड माने जा रहे वकील मोफक्कारुल इस्लाम को बंगाल पुलिस ने शुक्रवार सुबह गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, मोफक्कारुल गिरफ्तारी से बचने के लिए राज्य छोड़कर भागने की पूरी तैयारी में था। पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि वह बागडोगरा एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाला है। इसके बाद बंगाल पुलिस की टीम ने तुरंत जाल बिछाकर उसे एयरपोर्ट परिसर से ही दबोच लिया। जांच एजेंसियों का मानना है कि कालियाचक में उग्र भीड़ को भड़काने और सरकारी काम में बाधा डालने के पीछे मोफक्कारुल का ही दिमाग था। यह गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब आज ही नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की टीम मालदा पहुंचकर इस मामले की जांच अपने हाथों में लेने वाली है।

आईएसएफ उम्मीदवार समेत 17 आरोपी रिमांड परः इस संवेदनशील मामले में मालदा पुलिस ने लगातार छापेमारी करते हुए अब तक इंडियन सेकुलर फ्रंट (आईएसएफ) के उम्मीदवार मौलाना शाहजहां अली सहित 17 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि उनके पास इन सभी आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत मौजूद हैं। गुरुवार को इन सभी 17 आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने आगे की पूछताछ के लिए उन्हें 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस को उम्मीद है कि रिमांड के दौरान पूछताछ में इस हिंसक साजिश की कई और गहरी परतें खुलेंगी।

आरोपी शाहजहां का दावा- मुझे बलि का बकरा बनाया गयाः गिरफ्तारी के बाद आईएसएफ उम्मीदवार शाहजहां अली ने पुलिस के सभी दावों को खारिज करते हुए खुद को पूरी तरह बेगुनाह बताया है। कोर्ट ले जाते समय मीडिया से बातचीत में शाहजहां ने आरोप लगाया कि राजनीतिक रंजिश के चलते उन्हें जानबूझकर फंसाया जा रहा है और बलि का बकरा बनाया जा रहा है। उनका दावा है कि जिस वक्त यह घटना हुई, वह वहां मौजूद ही नहीं थे बल्कि एक धार्मिक कार्यक्रम से वापस लौट रहे थे। हालांकि, पुलिस ने उनके दावों को सिरे से नकारते हुए कहा है कि इस घटना में उनकी संलिप्तता के तकनीकी और चश्मदीदों के पुख्ता सबूत मौजूद हैं।

बिना पानी और खाने के 9 घंटे तक बंधक रहे अधिकारीः गौरतलब है कि यह पूरा बवाल बीते बुधवार को शुरू हुआ था जब कालियाचक में एसआईआर (एसआईआर) का काम चल रहा था। वोटर लिस्ट से कुछ लोगों के नाम हटाए जाने की बात फैलते ही भीड़ उग्र हो गई। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने ब्लॉक ऑफिस को घेर लिया और तीन महिला अधिकारियों सहित कुल सात न्यायिक अधिकारियों को करीब 9 घंटे तक बंधक बनाए रखा। इस दौरान इन अधिकारियों को न तो खाना दिया गया और न ही पानी।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद अब एनआईए करेगी जांचः इस खौफनाक घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए इसे न्याय प्रशासन के काम में बाधा डालने की एक ढीठ कोशिश करार दिया है। सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार और निर्देश के बाद चुनाव आयोग ने इस पूरे मामले की जांच तुरंत एनआईए को सौंप दी है। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने इलाके में बिना अनुमति के किसी भी तरह की भीड़ इकट्ठा होने या जुलूस निकालने पर सख्त पाबंदी लगा दी है। वहीं, कोर्ट ने राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्य सचिव और डीजीपी को भी नोटिस जारी कर उनसे जवाब तलब किया है।

कांग्रेस विधायक को तीन साल कैद की सजा

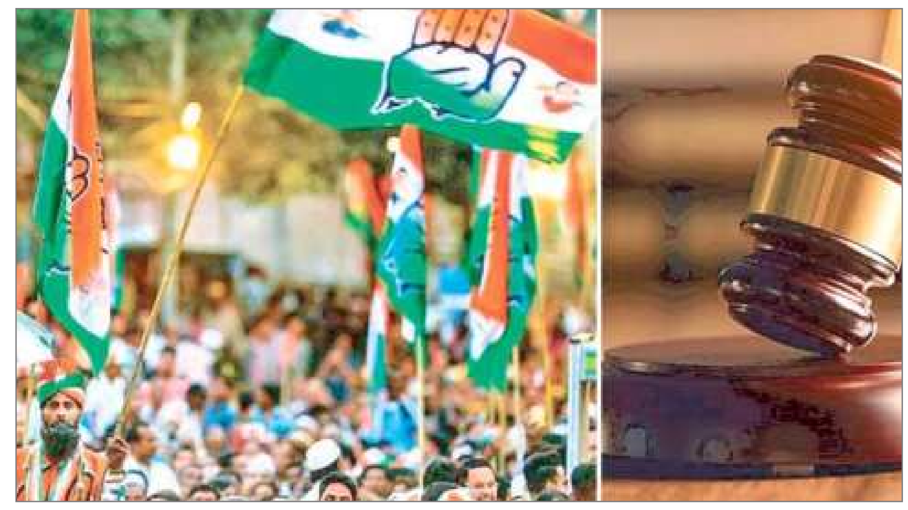

एजेंसी/भोपालः मध्य प्रदेश के दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले में दिल्ली की एक अदालत द्वारा तीन साल की कैद की सजा सुनाए जाने के बाद राज्य में कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी पर हमलावर हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का आरोप है कि पार्टी विधायक राजेंद्र भारती को अदालत से सजा सुनाए जाने के बाद उनकी सदस्यता निरस्त करने के लिए सरकार के दबाव के कारण गुरुवार देर रात विधानसभा सचिवालय खोला गया।

श्री पटवारी ने इसका एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें वे ये कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि राजेंद्र भारती को अदालत से स्टे मिल गया है, लेकिन उनकी सदस्यता निरस्त करने के लिए देर रात लगभग साढ़े 10 बजे विधानसभा सचिवालय खोला गया है। इस वीडियो में उनके साथ राज्य के पूर्व मंत्री पी सी शर्मा भी दिखाई दे रहे हैं, जो आरोप लगा रहे हैं कि राजेंद्र भारती की सदस्यता निरस्त करने के लिए इतनी रात में विधानसभा में काम किया जा रहा है। वीडियो में कांग्रेस के दोनों नेता विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा के साथ दिखाई दे रहे हैं।

नयी दिल्ली की विशेष एमपीएमएलए अदालत ने लगभग 25 वर्ष पुराने बैंक घोटाला एवं भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में मध्यप्रदेश के दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को दोषी करार देते हुए गुरुवार को उन्हें तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने सजा सुनाने के साथ ही राजेंद्र भारती और एक अन्य आरोपी को 4.50 लाख रुपए के निजी मुचलके (बॉन्ड) पर 60 दिन की अपील अवधि तक अंतरिम जमानत भी प्रदान की है। प्रकरण के अनुसार आरोपियों पर बैंक से जुड़े लेन-देन में अनियमितता, फर्जी दस्तावेज तैयार कर आर्थिक लाभ लेने और आपराधिक साजिश रचने के आरोप थे। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोप सिद्ध मानते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471, 409 एवं 120-बी के तहत दोषसिद्धि दर्ज की। हालांकि अदालत ने अपील के लिए 60 दिन का समय दिया है, जिसके दौरान आरोपी उच्च न्यायालय में सजा के खिलाफ अपील कर सकते हैं।

जहरीली शराब का कहर जारी

बिहार में अब तक चार लोगों की मौत, कई की हालत नाजुक

मोतिहारी : मोतिहारी रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव में जहरीली स्प्रिट (शराब) पीने से लोगों की मौत का सिलसिला लगातार जारी है। कल एक व्यक्ति की मौत हुई थी, वहीं दो अन्य गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। इसके अलावा एक व्यक्ति की आंखों की रोशनी चले जाने की खबर ने इलाके में हड़कंप मचा दिया।

मृतकों की संख्या बढ़ी, कई लोग अभी भी बीमारः मिली जानकारी के अनुसार, मृतकों की संख्या दो से बढ़कर चार हो गई है। कल जहरीली शराब पीने से चंदू की मौत हुई थी। वहीं आज सुबह तुरकौलिया थाना क्षेत्र के शंकर सरैया परसौना निवासी प्रमोद यादव, परीक्षण मांझी और हीरालाल महतो की मौत हो गई। उनका इलाज शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। सूत्रों के अनुसार, अभी भी कई लोग ऐसे हैं जो जहरीली शराब पीने से बीमार हैं और चोरी-चुपके इलाज करा रहे हैं। बताया जा रहा है कि गांव के कुछ लोगों ने शराब समझकर स्प्रिट का सेवन कर लिया। सेवन के कुछ ही देर बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों ने उन्हें तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान अबतक दो लोगों की मौत हो चुकी है। अभी अन्य कई पीड़ितों का इलाज जारी है।

आंखों की रोशनी प्रभावित, मामले की गंभीरता बढ़ीः डॉक्टरों के अनुसार, इस जहरीली शराब के सेवन से पहले आंखों की रोशनी प्रभावित होती है। इससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। फिलहाल चिकित्सकों की निगरानी में सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है।

गांव में भय और आक्रोश, अवैध शराब पर सवालः घटना के बाद पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब और स्प्रिट का कारोबार चल रहा है, लेकिन इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। पुलिस प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। साथ ही अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर राज्य में लागू शराबबंदी कानून और उसकी प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चौकीदार भरत रॉय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तुरकौलिया थाना के रल्ठड उमाशंकर मांझी को लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। वहीं, रघुनाथपुर में हुई हत्या के मामले में भी केस दर्ज कर लिया गया है. हीरालाल भगत के परिजनों के आवेदन पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

आईआरजीसी की नजर खाड़ी देशों में 8 बड़े पुलों पर

बी1 ब्रिज पर अमेरिका-इजरायल के एक्शन से भड़का ईरान

तेहरान/एजेंसीः मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच ईरान और अमेरिका-इजरायल से जुड़ी घटनाओं को लेकर नए दावे सामने आए हैं। ईरान के सरकारी मीडिया ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी और इजरायली हमलों में तेहरान के पास स्थित एक महत्वपूर्ण पुल को निशाना बनाया गया, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी फार्स के मुताबिक, इस हमले के बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने खाड़ी देशों और जॉर्डन के लगभग 8 पुलों की पहचान संभावित जवाबी कार्रवाई के लक्ष्यों के रूप में की है। रिपोर्ट में कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और जॉर्डन के कुछ प्रमुख पुलों का उल्लेख किया गया है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं हो सकी है।

ईरानी मीडिया के अनुसार, अल्बोरज प्रांत में हुए कथित हमले में कुछ लोगों की मौत और कई के घायल होने की जानकारी दी गई है। बताया जा रहा है कि ये लोग पास में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए एकत्रित हुए थे।

दूसरी ओर, अमेरिका की ओर से इस घटना को लेकर आधिकारिक और विस्तृत पुष्टि सामने नहीं आई है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए कुछ वीडियो और बयानों के आधार पर स्थिति को लेकर विभिन्न दावे किए जा रहे हैं।

अब गांधी वाली कांग्रेस खत्म, केरल में पीएम मोदी का तीखा हमला, कहा, जनता चाहती है बदलाव

एजेंसी/तिरुवनंतपुरमः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को केरल में बीजेपी के बूथ कार्यकताओं से वर्चुअल संवाद करते हुए कांग्रेस और वाम दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राज्य में इस बार बीजेपी-एनडीए के पक्ष में माहौल बन रहा है और जनता बदलाव चाहती है। पीएम मोदी ने कहा कि तिरुवनंतपुरम स्थानीय निकाय चुनाव में बीजेपी की सफलता इस बात का संकेत है कि आगामी नौ अप्रैल के विधानसभा चुनाव में पार्टी को व्यापक समर्थन मिल सकता है। उन्होंने कहा कि इस बार केरलम सिर्फ नई सरकार नहीं, बल्कि नई व्यवस्था चुनने जा रहा है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि गांधी की कांग्रेस अब खत्म हो चुकी है, अब यह माओवादी मुस्लिम लीग कांग्रेस बन गई है।

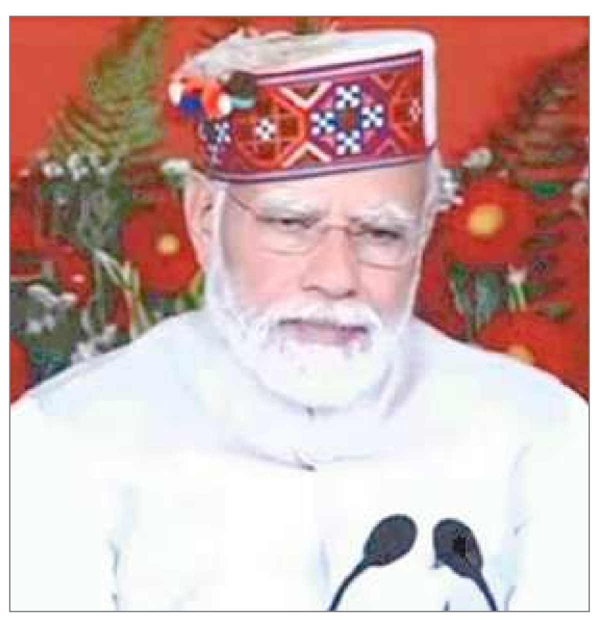

उन्होंने आरोप लगाया कि अब यूडीएफ और एलडीएफ एक-दूसरे से लड़ने के बजाय बीजेपी पर ही हमला कर रहे हैं, क्योंकि जनता दोनों से नाराज है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय से केरल में यूडीएफ और एलडीएफ के बीच सत्ता बदलती रही, लेकिन तिरुवनंतपुरम के नतीजों ने इस धारणा को तोड़ दिया है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे हर घर तक पहुंच बनाएं और मतदान के दिन ज्यादा मेहनत करें। इस दौरान मोदी ने क्रिकेटर संजू सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे एक अच्छा खिलाड़ी बड़े मैच में बेहतर प्रदर्शन करता है, वैसे ही कार्यकताओं को भी चुनाव के दिन पूरी ताकत झोंकनी चाहिए।

वायनाड की सांसद से बेहतर हैं आपः संवाद के दौरान एक दिलचस्प मोड़ तब आया, जब पीएम मोदी ने एक बूथ कार्यकर्ता के समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यदि उस कार्यकर्ता और वायनाड की सांसद (प्रियंका गांधी) के बीच बहस हो जाए, तो कार्यकर्ता की जीत निश्चित है। प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे मतदान के दिन तक हर घर से जुड़ने के लिए अतिरिक्त समय दें।

भारत ने बढ़ाया अमेरिका का सिरदर्द, व्यापार में दिया 54.91 अरब डॉलर का भारी घाटा

वाशिंगटन /एजेंसीः सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 12 महीनों में अमेरिका को भारत के साथ व्यापार में 54.91 अरब डॉलर का घाटा हुआ है। इस बड़े घाटे की वजह से भारत अब उन देशों में शामिल हो गया है जिनसे अमेरिका को सबसे ज्यादा व्यापारिक घाटा (नुकसान) होता है। वहीं, फरवरी के महीने में दुनिया भर के दूसरे देशों के साथ भी अमेरिका का कुल व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ा है।

महीने के आंकड़ों से पता चला कि फरवरी में अमेरिका का व्यापार घाटा बढ़कर 57.35 बिलियन डॉलर हो गया, जो जनवरी से 2.67 बिलियन डॉलर ज्यादा है, हालांकि यह अभी भी 12 महीने के एवरेज से 11 फसदी कम है।

यह बढ़ोतरी इसलिए हुई क्योंकि इम्पोर्ट, एक्सपोर्ट से ज्यादा तेजी से बढ़ा। महीने के दौरान कुल एक्सपोर्ट 314.8 बिलियन डॉलर रहा, जबकि इम्पोर्ट 372.1 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

वस्तु व्यापार में अमेरिका को 84.60 अरब डॉलर का घाटा हुआ, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में 27.26 अरब डॉलर का अधिशेष दर्ज किया गया। जनवरी की तुलना में वस्तु व्यापार घाटा बढ़ा, जबकि सेवाओं का अधिशेष घट गया।

भारत- अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में बना रहा। केवल फरवरी में ही अमेरिका ने भारत के साथ लगभग 3.5 अरब डॉलर का वस्तु व्यापार घाटा दर्ज किया।

फरवरी 2026 तक 12 महीने के समय में, भारत का अमेरिका के कुल सामान व्यापार घाटा में लगभग 5.01 फीसदी हिस्सा था, जो दोनों देशों के बीच लगातार ट्रेड फ्लो को दिखाता है।

भारत अमेरिकी इंपोर्ट के बड़े सोर्स में भी शामिल था। इसी समय में भारत से कुल 101.97 बिलियन डॉलर का सामान इंपोर्ट हुआ, जो अमेरिकी मार्केट में फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग गुड्स और दूसरे प्रोडक्ट्स की सप्लाई में इसकी भूमिका को दिखाता है। वहीं, भारत से इंपोर्ट से अमेरिकी कस्टम ड्यूटी में 12.34 बिलियन डॉलर आए, जिसका एवरेज टैरिफ दर 12.12 फीसदी था। अमेरिका के समग्र व्यापार परिदृश्य में मेक्सिको, वियतनाम और चीन के साथ बड़े असंतुलन देखने के लिए मिले, जो वस्तु व्यापार घाटे में सबसे अधिक योगदान देने वाले देश बने रहे। फरवरी में एक्सपोर्ट बढ़ा, क्योंकि इंडस्ट्रियल सप्लाई और मटीरियल की शिपमेंट ज्यादा हुई, जिसमें नॉन-मॉनेटरी सोना और नैचुरल गैस शामिल हैं। सर्विसेज एक्सपोर्ट भी थोड़ा बढ़ा। हालांकि, कैपिटल गुड्स, कंप्यूटर, सेमीकंडक्टर, क्रूड ऑयल और फार्मास्यूटिकल तैयारियों की डिमांड की वजह से इंपोर्ट ज्यादा तेजी से बढ़ा। पिछले साल ट्रेड किए गए सामानों में, सिविलियन एयरक्राफ्ट, फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट और नॉन-मॉनेटरी सोना अमेरिका के मुख्य एक्सपोर्ट थे। इंपोर्ट की बात करें तो, फार्मास्यूटिकल्स, कंप्यूटर और पैसेंजर गाड़ियों का दबदबा रहा।

महीने में बढ़ोतरी के बावजूद, लंबे समय के ट्रेंड से व्यापार असंतुलन में कुछ कमी दिख रही है। साल-दर-साल के डेटा से पता चला है कि पिछले साल इसी समय की तुलना में घाटा कम हुआ है, जिसमें एक्सपोर्ट बढ़ा है और इंपोर्ट सालाना आधार पर घटा है।

ह्यहोर्मुज में सिर्फ हमारे नाविक मारे गए , ईरान युद्ध पर 60 देशों की बैठक में बोला भारत

नई दिल्लीः मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध के कारण ईरान के नियंत्रण में आए होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने की मांग भारत ने जोरदार तरीके से की है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने ब्रिटेन द्वारा आयोजित एक बहुपक्षीय बैठक में कहा कि भारत इस संघर्ष में जलमार्ग पर अपने नागरिकों को खोने वाला एकमात्र देश है।

ब्रिटेन की पहल पर आयोजित इस बैठक में 60 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। बैठक का मुख्य मुद्दा होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित और फ्री शिपिंग सुनिश्चित करना था, जिसकी वजह से वैश्विक तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया कि मिस्त्री ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में स्वतंत्र नौवहन के सिद्धांत पर जोर दिया। उन्होंने भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर संकट के प्रभाव को भी रेखांकित किया।

विदेश सचिव ने बैठक में स्पष्ट किया कि भारत अब तक होर्मुज क्षेत्र में व्यापारी जहाजों पर हमलों में नाविकों को खोने वाला एकमात्र देश है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ शिपिंग के अनुसार, विदेशी झंडे वाले जहाजों पर सवार कम से कम तीन भारतीय नाविक मारे गए हैं और एक घायल हुआ है। कुछ जहाज अभी भी स्ट्रेट में फंसे हुए हैं।

मिस्त्री ने कहा कि क्षेत्र में अस्थिरता का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है। भारत दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल आयातकों में से एक है और पश्चिम एशिया की घटनाएं देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं। विदेश सचिव ने कहा कि संकट से निकलने का एकमात्र रास्ता तनाव कम करना और सभी पक्षों के बीच कूटनीति व संवाद है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित पक्षों को डायलॉग की राह पर लौटना चाहिए। भारत ने बार-बार जोर दिया है कि वाणिज्यिक जहाजों पर हमले अस्वीकार्य हैं और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में स्वतंत्र आवागमन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीय नागरिक रहते हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सभी भारतीय सुरक्षित हैं और भारतीय दूतावास लगातार उनसे संपर्क में हैं। अब तक संघर्ष में आठ भारतीयों की मौत हो चुकी है और एक व्यक्ति लापता है।

एलपीजी की किल्लत की अफवाहों के बीच केंद्र का बड़ा एक्शन, राज्यों को दी सख्त चेतावनी

नई दिल्लीः देश के कई हिस्सों में रसोई गैस (एलपीजी) की कमी को लेकर फैल रही भ्रामक खबरों और अफवाहों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। इस अफवाह के कारण बाजारों में अचानक पैनिक बायिंग (घबराहट में खरीदारी) का माहौल देखने को मिल रहा है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्थिति को संभालने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को एक अहम पत्र लिखा है। केंद्र ने साफ कहा है कि रसोई गैस की कोई कमी नहीं है, लेकिन जनता के बीच सही जानकारी पहुंचाने में कई राज्य पीछे छूट रहे हैं, जो चिंता का विषय है।

अफवाहों और पैनिक बायिंग ने बढ़ाई सरकार की टेंशनः पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने राज्यों को लिखे अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि कुछ क्षेत्रों में अभी भी लगातार गलत जानकारी और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। इसके कारण आम जनता के मन में अनावश्यक डर बैठ गया है और लोग जरूरत से ज्यादा गैस सिलेंडर बुक या स्टोर कर रहे हैं। मंत्रालय ने राज्यों से अपील की है कि वे अपनी संचार व्यवस्था को तुरंत प्रभाव से मजबूत करें। वर्तमान में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा और उत्तराखंड जैसे केवल 17 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ही नियमित रूप से प्रेस ब्रीफिंग कर रहे हैं। केंद्र ने बाकी सभी राज्यों को भी तुरंत इसी तरह के ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया है। कालाबाजारी पर कड़े एक्शन और रोजाना प्रेस ब्रीफिंग की सलाह मंत्रालय ने हालात को काबू में करने के लिए सभी राज्यों को सलाह दी है कि वे वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर रोजाना प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करें।

न्यूज IN ब्रीफ

वृद्ध के सिर पर गिरा अपार्टमेंट का छज्जा, मौके पर ही मौत

जमशेदपुर : मानगो ओल्ड पुरुलिया रोड में गुरुवार सुबह अशोका टावर के नीचे खड़े मनोहर धीबर (58) पर अपार्टमेंट का छज्जा गिरने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मनोहर कुंवर बस्ती का रहने वाला था। घटना के वक्त वह घर का सामान लेने के लिए अपार्टमेंट के पास स्थित प्रकाश स्टोर पहुंचा था। इसी दौरान अपार्टमेंट के चौथे तल्ले से छज्जा टूटकर मनोहर की सिर पर गिर गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने उसे तत्काल एमजीएम अस्पताल पहुंचाया जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हनुमान जयंती पर मंदिरों में विशेष आयोजन

जमशेदपुर : रामभक्त हनुमान का जन्मोत्सव शहर में धूमधाम से मनाया जाएगा।.साकची स्थित शीतला मंदिर के पुजारी पं. राजू वाजपेयी बताते हैं कि चैत्र मास की पूर्णिमा को हनुमान जयंती मनाई जाती है, जो इस बार 2 अप्रैल को पड़ रहा है। मान्यता है कि इसी दिन हनुमान जी का जन्म हुआ था। हनुमान जी के उपासकों की बड़ी तादाद जमशेदपुर समेत पूरे झारखंड में है। जमशेदपुर में भालूबासा के जंबू अखाड़ा व किशोर संघ के अलावा कदमा के टेलीफोन एक्सचेंज स्थित श्रीराम पादुका आश्रम, सोनारी और बिष्टुपुर के धतकीडीह में हनुमान जी की विशाल मूर्ति है। यहां विशेष पूजन-आरती होगी।

चिकन पॉक्स के मरीजों की जांच घाघीडीह में दूसरे दिन भी जारी

जमशेदपुर : सर्विलांस टीम ने गुरुवार को भी चिकनपॉक्स मरीजों की जांच के लिए स्वास्थ्य टीम को घाघीडीह भेजा है। बुधवार को चिकन पॉक्स के तीन मरीजों की जांच कर दो मरीजों का सैंपल स्वास्थ्य टीम के महामारी रोग विशेषज्ञ डॉ. असद, सुशील तिवारी, अरुण कुमार, सहिया व एएनएम ने एकत्र किया था। डॉ. साहिर पाल के अनुसार, ग्रामीणों द्वारा घाघीडीह बस्ती में चिकनपॉक्स फैलने की जानकारी सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल को दी गई थी। इसके बाद जिला सर्विलांस टीम ने गस्ती में संभावित मरीजों की जांच करने के बाद चिकन पॉक्स से बचाव के प्रति जागरूक किया है।

टाटानगर स्टेशन पोर्टिको में गुंजी किलकारी

जमशेदपुर : टाटानगर स्टेशन पोर्टिको में मॉडल इंजन के पास बुधवार सुबह एक महिला स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। यात्रियों की सूचना पर स्टेशन ड्यूटी रेल कर्मचारियों ने अस्पताल से एंबुलेंस समेत डॉक्टर को बुलाया था। इससे जांच के बाद गुलगुलिया समुदाय की महिला व उसके नवजात बेटे इलाज व टीकाकरण के लिए खासमहल सदर अस्पताल भेज दिया गया। बताया जाता है कि, टाटानगर स्टेशन के प्लेटफार्म, पोर्टिको व पार्किंग पाथवे में पहले भी कई महिलाओं का प्रसव हुआ है।

जमशेदपुर ब्लूज का कोलकाता में शानदार प्रदर्शन, दोनों वर्गों में जीती सीरीज

जमशेदपुर : कोलकाता के तरातला ग्राउंड में आयोजित 3 मैचों की क्रिकेट सीरीज में जमशेदपुर ब्लूज क्रिकेट अकादमी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए परनाश्री त्रिधारा स्पोर्ट्स अकादमी दोनों वर्गों में पराजित कर सीरीज अपने नाम कर ली। अंडर-17 और अंडर-12 श्रेणी में खेले गए इस मुकाबले में जमशेदपुर ब्लूज ने दोनों वर्गों में 2-1 से जीत दर्ज कर अपनी मजबूत पकड़ साबित की।अंडर-12 में शानदार प्रदर्शनअंडर-12 वर्ग में बल्लेबाजी और फील्डिंग में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ।7 सर्वाधिक रन बनाने का श्रेय अर्णव राय को गया।सर्वाधिक विकेट अयनयस मेहर ने हासिल किए। वहीं शिवम मंडल ने सबसे अधिक कैच लेकर टीम को मजबूती दी। अंडर-17 में जमशेदपुर का दबदबाअंडर-17 वर्ग में जमशेदपुर ब्लूज के खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। अमन कुमार साहू ने सबसे ज्यादा रन बनाए। अमित महाकुंड ने सर्वाधिक विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।शिवम मंडल ने फील्डिंग में सबसे ज्यादा कैच पकड़कर शानदार प्रदर्शन किया।

बालीगुमा जल मीनार का निरीक्षण, अधूरी पाइपलाइन और जर्जर सामग्री पर मेयर की नाराजगी

जमशेदपुर : मेयर सुधा गुप्ता और पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने शुक्रवार को बालीगुमा स्थित जल मीनार का निरीक्षण कर जलापूर्ति योजना की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मियों के साथ परियोजना स्थल का अवलोकन करते हुए निर्माण कार्य की गुणवत्ता और लंबित कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण में पाया गया कि जल आपूर्ति योजना के तहत कई स्थानों पर पाइपलाइन बिछाने का कार्य अब भी अधूरा है, जिससे क्षेत्र के लोगों को नियमित जलापूर्ति में परेशानी हो रही है। वहीं जल मीनार परिसर में उपयोग हो रहे कुछ उपकरण और सामग्री जर्जर अवस्था में पाए गए, जिस पर मेयर ने गंभीर नाराजगी जताई।मेयर

सुधा गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि अधूरी पाइपलाइन का काम प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा किया जाए और जर्जर सामग्री को बदलकर गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग सुनिश्चित किया जाए।मौके पर स्थानीय लोगों ने भी अपनी समस्याएं रखीं। पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने भरोसा दिलाया कि जल्द समाधान कर क्षेत्र में नियमित और सुचारु जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

दो दिन में तीन डिग्री बढ़ा न्यूनतम तापमान

जमशेदपुर : शहर में दो दिनों में तेजी से तापमान में वृद्धि हुई है। मौसम वैज्ञानिकों का माने तो अगले कुछ दिनों में तापमान में और धीरे-धीरे वृद्धि हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र उत्पन्न होने के कारण कुछ जगहों पर अगले एक सप्ताह में बारिश हो सकती है लेकिन कोल्हान क्षेत्र में धीरे-धीरे तापमान में वृद्धि होने अनुमान है। दो दिनों में न्यूनतम तापमान में 2.7 डिग्री की वृद्धि कर 24.7 डिग्री और अधिकतम तापमान में शुक्रवार को चार डिग्री बढ़कर 39.4 डिग्री हो गया है।

मृतकों के आश्रितों का सामूहिक उपवास शुरू

धनबाद : बीसीसीएल में मृत श्रमिकों के आश्रितों को नियोजन देने के लिए बनाए गए एसओपी को लागू नहीं किए जाने के विरोध में जनता मजदूर संघ (बच्चा गुट) का आंदोलन तेज हो गया है। गुरुवार को धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर संघ ने सामूहिक उपवास, सत्याग्रह और धरना शुरू किया। संघ ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द एसओपी लागू नहीं किया गया तो बीसीसीएल की तमाम कोलियरियों में चक्का जाम किया जाएगा। संघ के महामंत्री अभिषेक सिंह ने कहा कि कोल इंडिया की बोर्ड बैठकों में श्रमिक हित में नीतियां तो बनाई जाती हैं, लेकिन उनका पालन नहीं होता है। वर्ष 2023 में यह प्रावधान किया गया था कि मृत श्रमिकों के आश्रितों को 86 दिनों के भीतर एसओपी के तहत नियोजन दिया जाएगा, लेकिन 2026 तक एक भी मामले में इसे लागू नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि बीसीसीएल में वर्तमान में लगभग 1400 से 1500 नियोजन के मामले लंबित हैं। साथ ही आरोप लगाया कि नियोजन प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और घूसखोरी के कारण पात्र लोगों को उनका हक नहीं मिल पा रहा है।

मेदिनीनगर आकाशवाणी व दूरदर्शन केंद्र को फिर से चालू कराने की मांग लोकसभा में उठी

संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू संसदीय क्षेत्र के माननीय सांसद श्री विष्णु दयाल राम ने 2 अप्रैल 2026 को लोकसभा में नियम 377 के तहत मेदिनीनगर के बैरिया स्थित बंद पड़े आकाशवाणी एवं दूरदर्शन केंद्र के रिकॉर्डिंग कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों को पुनः प्रारंभ कराने का महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। सांसद श्री राम ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के माननीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर तथा व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर केंद्र को फिर से संचालित करने का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान इस केंद्र की रिकॉर्डिंग और संचालन गतिविधियों को अस्थायी रूप से बंद करना परिस्थितियों के अनुसार उचित था। लेकिन महामारी समाप्त होने के बाद भी अब तक इन सेवाओं को शुरू नहीं किया जाना चिंता का विषय है।

सांसद ने बताया कि वर्तमान में केंद्र पर आवश्यक आधारभूत संरचना उपलब्ध है और कार्यक्रमों के संचालन में कोई विशेष बाधा नहीं है। इसके बावजूद रिकॉर्डिंग बंद रहने से स्थानीय कलाकारों और प्रतिभाओं को अपनी कला प्रस्तुत

करने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आकाशवाणी और दूरदर्शन केंद्र स्थानीय कलाकारों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच हैं, जहां वे अपनी कला को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत कर सकते हैं। इन कार्यक्रमों के पुनः शुरू होने से क्षेत्रीय कला और संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा तथा जन प्रसारण सेवाएं भी मजबूत होंगी।

अंत में उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि मेदिनीनगर स्थित आकाशवाणी एवं दूरदर्शन केंद्र में रिकॉर्डिंग कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों को शीघ्र पुनः प्रारंभ कराया जाए, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को उचित मंच मिल सके और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित किया जा सके।

गोली मारकर एक की हत्या

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : मेदिनीनगर के शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत बस स्टैंड स्थित राजा साहेब के ऑफिस के पास देर रात एक बड़ी आपराधिक घटना सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, तीन अज्ञात अपराधी ऑफिस की छत के रास्ते अंदर घुसे और वहां मौजूद एक व्यक्ति को गोली मार दी। इस घटना में गुडू खलीफा उर्फ मो। समीर खलीफा, निवासी कुंड मोहल्ला की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अपराधियों ने घटना के दौरान 3 से 4 राउंड फायरिंग की, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज

खंगाल रही है और अपराधियों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। फिलहाल, हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है, पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच में जुटी हुई है।फैज खान समेत तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। अपराधियों के धड़ पकड़ के लिए छपामारी की जा रही है। समाचार लिखें जाने तक किसी की गिरफ़्तारी नहीं हुई है।

योजनाओं के चयन को लेकर विधायक ने झामुमो कार्यकर्ताओं संग की बैठक

संवाददाता

बंदगांव : पश्चिम सिंहभूम जिला के बंदगांव में झामुमो पार्टी की बैठक विधायक सुखराम उरांव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विधायक ने कहा की बंदगांव प्रखंड का संपूर्ण विकास के लिए गांव गांव की समस्या का जानना बहुत ही जरूरी है। उन्होंने कहा पंचायत स्तरीय बैठक कर गांव-गांव में पेयजल ,सड़क ,बिजली, पुल, पुलिया समेत अन्य बुनियादी सुविधाएं को चिन्हित करने की जरूरत है। जिसके लिए बंदगांव पंचायत में 4 अप्रैल को, सावनिया पंचायत में 6 अप्रैल को, मेरोमगुटु पंचायत में 7 अप्रैल को, चंपावा पंचायत में 9 अप्रैल को तथा टेबो पंचायत में 10 अप्रैल को झामुमो पार्टी की बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में सभी मानकी मुंडा एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में समस्या को चिन्हित करें, जिससे विकास कार्य करने में कोई परेशानी ना हो। उन्होंने कहा हमारी कोशिश रही है की चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो । पहले से ही यहां काफी विकास किया जा रहा है।

लेकिन कुछ-कुछ महत्वपूर्ण समस्याएं जानकारी के अभाव में छूट जा रही है। इसलिए पंचायत बार बैठक करना अति आवश्यक हो गया है। सभी लोग जोर-शोर से जुट जाएं और पंचायत के सभी गांव में बैठक की जानकारी दें। जिससे समस्या आ सके। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई,जीप सदस्य जस्फिन हमसाय,झामुमो केंद्रीय सदस्य प्रेम मुंडरी, जेवियर हंस, पुष्पा सांडी पूर्ति,विवेक सिंह विक्की, लादू हासा, सोमा हासा, आलोक मुंडू ,शंकर नायक समेत काफी संख्या मे झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीआईजी राजीव रंजन सिंह झारखंड के लोकप्रिय आईपीएस अधिकारी के रूप में पहचाने जाते हैं

उनकी कार्यदक्षता आज भी कई जिलों में लोगों को जुबानी याद है

बिनय मिश्रा

राजीव रंजन सिंह झारखण्ड में एक ऐसा नाम है जिनके बेहतर कार्यप्रणाली आमलोगों के साथ पुलिस की बेहतर संबंध स्थापित किये गये पहल जो काफी रहे हैं सफल। श्री सिंह भारतीय पुलिस सेवा 2006 बैच के अधिकारी हैं तथा उनकी बेहतर कार्यदक्षता ही उनकी पहचान है। श्री सिंह जहां भी रहें अपने बेहतर कार्यप्रणाली, मृदुभाषिता के साथ-साथ पुलिस विभाग को एक बेहतर माहौल भी दिये। वे जिस जिला में पदस्थापित रहें उन्हें आज भी लोग बड़े आदर और श्रद्धा के साथ याद करते हैं। पुलिस सेवा में आने से पूर्व वे एम।पी।एस।सी (मध्य प्रदेश प्रशासनिक सेवा) के अधिकारी के रूप में बतौर अनुमण्डल पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित रहें। इसके अलावे उनका शिक्षा से हमेशा ही गहरा लगाव रहा। केमिस्ट्री विषय के टॉपर रहने के कारण इस विषय पर उनकी जबरदस्त पकड़ है और वे लेक्चरर के रूप में कोडरमा जे। जे। कॉलेज में कुछ वर्षों तक पढ़ाया भी। 1994 में उनका चयन बी।पी।एस।सी में हो जाने के पश्चात वे डी।एस।पी पद पर रहते हुए भी जहानाबाद और हाजीपुर महाविद्यालय में जाकर छात्रों को प्राध्यापक के रूप में केमिस्ट्री पढ़ाते रहे। इसी का यह परिणाम है कि इन्हें बिहार और

झारखण्ड में डी।एस।पी। शिक्षक के रूप में भी उपाधी मिली हुई है जो निश्चित तौर पर गरिमा पूर्ण उपाधी है। श्री सिंह जहां अपराध, अपराधी और नकसलियों के विरूद्ध हमेशा कठोर रूप से दृढ़संकल्पित रहें वहीं आम लोगों के लिए सहज और लोगों की समस्या जानने के साथ ही उसे हर संभव दुर किया। ऐसे पुलिस अधिकारी से झारखण्ड भी गौरवान्वित है। श्री सिंह सर्वप्रथम

एस।डी।पी।ओ हाजीपुर जहानाबाद, बेतिया (विशेष शाखा)

शेरघाटी में साढ़े तीन वर्षों तक लोकप्रिय एस।डी।पी।ओ के रूप में पदस्थापित रहे, डी।एस।पी

मुख्यालय डी।एस।पी सिटी जमशेदपुर डी।एस।पी चतरा और हटिया में भी पदस्थापित रहें। ट्रेफिक एस।पी राँची प्रभारी ग्रामीण एस।पी राँची -सिमडेगा एस।पी साढ़े तीन वर्षों तक जो किसी भी एस।पी के पदस्थापना का रिकॉड है। एस।पी। गोड्डा एस।पी। दुमका

जमशेदपुर दुमका में पुलिस अधीक्षक रहते पदोन्नति के साथ तबादला डी।आई।जी कोल्हान हुआ और श्री सिंह कोल्हान प्रमण्डल में 1 मई 2020 तत्कालिन डी।आई।जी कुलदीप द्विवेदी से पदभार ग्रहण किया था और वे इस पद पर 9 जुलाई 2021 तक लोकप्रिय डी।आई।जी के रूप में पदस्थापित रहें। इन्हें यहां के पश्चात जैप डी।आई।जी के रूप में पदस्थापित किया गया जहां उन्होंने 12 जुलाई 2021 को तेरहवें डी। आई।जी के रूप में

विधायक सुखराम उरांव ने हनुमान जयंती पर की पूजा-अर्चना

क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की

संवाददाता

चक्रधरपुर : आज हनुमान जयंती के पावन अवसर पर चक्रधरपुर के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। इस खास मौके पर चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुखराम उरांव ने भी विभिन्न पूजा पंडालों और मंदिरों का दौरा किया और विधि-विधान के साथ बजरंगबली की पूजा-अर्चना की। विधायक सुखराम उरांव ने चक्रधरपुर स्थित हनुमान मंदिरों में पहुँचकर माथा टेका और भगवान हनुमान को फल, फूल व सिंदूर अर्पित किया। पूजन के दौरान उन्होंने पुरोहितों के सानिध्य में आरती की और क्षेत्र की जनता की खुशहाली, शांति और बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की। पूजा के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा हनुमान जी शक्ति, सेवा और समर्पण के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें संकटों से लड़ने और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आज का यह उत्सव हमारे समाज में आपसी भाईचारे और भक्ति की भावना को और मजबूत करता है। हनुमान जयंती को लेकर सुबह से ही मंदिरों में 'जय श्री राम' और 'जय हनुमान' के जयघोष गूंजते रहे। विधायक के साथ कई स्थानीय कार्यकर्ता और गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। पूजा के बाद विधायक ने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण भी किया और लोगों से शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की।

जुलूस के दौरान महज करतब दिखाने के विवाद में हुई थी प्रिंस कुमार की हत्या

हजारीबाग : जिला में रामनवमी जुलूस के दौरान प्रिंस कुमार की हत्या धारदार हथियार से कर दी गई थी। हजारीबाग पुलिस ने एसआईटी की टीम गठित कर आरोपी करण कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जिसकी उम्र महज 19 वर्ष है। मामूली विवाद के कारण यह घटना घटी थी।

हजारीबाग रामनवमी जुलूस के दौरान जामा मस्जिद रोड में 29 मार्च एकादशी को शोभा यात्रा के दौरान प्रिंस कुमार की मौत धारदार हथियार हो गई थी। हजारीबाग पुलिस ने एसआईटी की टीम गठित कर सीसीटीवी फुटेज, तस्वीर और गुप्त सूचना के आधार पर करण कुमार को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से घटना को अंजाम देने वाला हथियार और काले रंग का शर्ट जो घटना के वक्त पहना था वह बरामद किया है।

हजारीबाग एएसपी अमित कुमार ने बताया कि जुलूस के दौरान दोनों करतब दिखा रहे थे। आरोपी करण कुमार विष्णुपुरी के जुलूस में घुसकर करतब दिखा रहा था। जो अखाड़े का सदस्य भी नहीं था। सीसीटीवी कैमरे में स्पष्ट दिख रहा है कि मृतक पाइप से करतब दिखा रहा था। आरोपी करण कुमार जबरन घुसकर करतब दिखाना चाह रहा था। इसी दौरान आरोपी करण कुमार ने उसे पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे घटनास्थल पर उसकी मौत हो गई। मृतक प्रिंस कुमार सिलवार कलां मुफ्फसिल थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वहीं करण कुमार थाना पेलावल गांव बलियन का रहने वाला है। दोनों में पहले कभी मुलाकात नहीं हुई और ना ही कोई दुश्मनी थी। मामूली से विवाद को लेकर हत्या कर दी गई।

रामगढ़ डीसी पूरे राज्य के लिए गौरव और प्रेरणा स्रोत हैं

बिनय मिश्रा

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2014 बैच के लोकप्रिय कर्मठ और उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले आईएएस अधिकारी की बात चलती है तो फैजअक अहमद मुमताज का नाम स्वत ही जुबा पर चलता है इसकी प्रमुख वजह यह है कि उनकी सादगी मृदु भाषिता और जिला के वरिष्ठ पदाधिकारी होने के पश्चात भी उनमें जो अपनापन देखा जाता है वह अपने आप में अनुकरणीय और प्रेरणा स्रोत है इससे पूर्व श्री अहमद जब जामताड़ा के उपायुक्त थे तब एक दृश्य लोगों को काफी भाव विभोर कर दिया था जब एक वृद्ध महिला उपायुक्त कार्यालय के सीढ़ी पर बैठकर उपायुक्त महोदय का इंतजार कर रही थी और उपायुक्तमहोदय स्वयं उक्त वृद्ध

महिला के पास सीढ़ी पर साथ बैठकर उसकी समस्या को जाना और तत्क्षण इसका निष्पादन किया था उक्त वृद्ध महिला को यह सहज विश्वास ही नहीं हुआ कि उसके साथ सीढ़ी पर बैठकर जो उसकी परेशानी और पीड़ा को जानने का कार्य कर रहे हैं वही जिला के सर्वोच्च अधिकारी उपायुक्त महोदय स्वयं ही हैं ऐसी ही घटना रामगढ़ में पुण देखने को मिली जब पूर्व विधायक शंकर चौधरी अपनी मांग को लेकर धरने पर बैठे थे उसी समय उपायुक्त महोदय स्वयं उक्त स्थल पर पहुंचकर पूर्व विधायक जो अब वृद्धावस्था में पहुंच चुके हैं उनके समक्ष बैठकर उनकी बातों को सुना जाना और परेशानी को दूर करने के लिए सार्थक पहल करने की भी बात कही वर्तमान समय में एक और जहांउपायुक्त महोदय गण के द्वारा जहां चेंबर में बैठकर नहीं बातों को सुनते और जानते हैं तथा हल और पहल के लिए प्रयास करते हैं वहीं रामगढ़ जिला के उपायुक्त की यह शालीन भरा व्यवहार और सदाचार निश्चित तौर पर झारखंड के लिए गर्व और गौरव की बात है तथा ऐसे उपायुक्त पर सबों को नाज है विदित होकि इसे पूर्व एक घटित घटना भी उपायुक्त की संवेदना और प्राण रक्षा की पहल भी काफी सराहा गया था जब एक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान एक छात्र को जहरीले कीड़े ने काट लिया तो उपयुक्त में तत्क्षण उसके प्राण रक्षा के लिए कारगर उपाय किया और अस्पताल पहुंचाया था इसे कहते हैं जिला के सर्वोच्च अधिकारी का बेहतर कार्य और सुखद परिणाम।